RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-343 | जयपुर, मंगलवार, 09 जून 2026 | मूल्य-4 रुपये

ममता को एक और बड़ा झटका, टीएमसी की कलह खुलकर समाने आई

टीएमसी के 20 सांसदों की स्पीकर को चिट्ठी, एनडीए का किया समर्थन

टीएमसी के सांसद सीएम शुभेंदु और बंगाल प्रभारी से मिले

कोलकाता

विधायकों के बाद अब तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने भी ममता का साथ छोड़ दिया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, लोकसभा के 28 सांसदों में से 20 ने एनडीए सरकार को समर्थन देने का फैसला किया है।

सांसद और टीएमसी की पूर्व नेता काकोली ने भी सोमवार को यही दावा किया। उन्होंने बताया कि 20 सांसदों ने एनडीए को समर्थन देने का फैसला किया है। इस बारे में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र भी भेज दिया गया है।

इनमें से 11 सांसदों ने सोमवार दोपहर केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के बंगाल प्रभारी भूपेंद्र यादव के घर पर मीटिंग की। इस दौरान सुबह टीएमसी के राज्यसभा सांसद पद से इस्तीफा दे चुके सुखेंदु शेखर रे भी मौजूद रहे। बंगाल सीएम शुभेंदु अधिकारी भी इनसे मिलने पहुंचे।

बैठक में लोकसभा सांसद काकोली घोष, शताब्दी रॉय, अबू ताहिर, अरूप चक्रवर्ती, खलीलुर रहमान, शर्मिला सरकार, असित मल, कालीपद सोरेन, जगदीश बसुनिया और प्रसून बनर्जी मौजूद रहे।

लोकसभा में टीएमसी के अभी 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं। इससे पहले 3 जून को बंगाल के 80 में से 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। इस गुट ने ऋतब्रत को अपना नेता बनाया है।

टीएमसी के 20 सांसदों की रविवार देर रात दिल्ली के एक अज्ञात स्थान पर अनौपचारिक बैठक भी हुई। इसमें सांसदों ने मौजूदा नेतृत्व व्यवस्था को लेकर असंतोष जताया।

सोमवार को इस बैठक की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई। कई टीएमसी सांसद एक मेज के आसपास बैठे दिखाई दे रहे हैं। उस समय एक सांसद के फोटो खींचने पर विवाद भी हुआ। सूत्रों का दावा है कि तस्वीर में जितने सांसद दिख रहे हैं, वास्तविक संख्या उससे कहीं अधिक थी।

टीएमसी के वरिष्ठ नेता सुखेंदु शेखर ने आज सुबह ही राज्यसभा सांसद पद से इस्तीफा दे दिया और पार्टी भी छोड़ दी। त्यागपत्र में उन्होंने ममता के 15 साल के अराजक शासन को पार्टी की हार का नतीजा बताया और भाजपा की तारीफ की थी। राज्यसभा के चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन ने सुखेंदु शेखर का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। सुखेंदु ने इस्तीफे के बाद मीडिया से कहा था कि पार्टी के कई लोग ममता मनमाने ढंग से पार्टी चला रही थीं, इसी वजह से उन्होंने इस्तीफा दे दिया। उनका कार्यकाल 2029 तक था। अब सीट खाली हो चुकी है, अब इस पर उपचुनाव कराया जा सकता है।

ऋतब्रत बोले- सुखेंदु की बात काफी हद तक सही

सुखेंदु शेखर के इस्तीफे पर बंगाल में टीएमसी के बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि यह सिर्फ सुखेंदु की निजी बात नहीं है। मैंने सुखेंदु से सीधे बात नहीं की है, लेकिन टीवी पर उनके बयान देखे और सुने हैं। मैं उनकी बातों से सहमत हूं।

उधर, टीएमसी ने बागी नेता रीताब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने के विधानसभा स्पीकर के फैसले को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी है। कोर्ट ने तारीख तय नहीं की है।

काकोली घोष बोलीं- एनडीए को देंगे समर्थन

टीएमसी के वर्तमान में 28 लोकसभा सांसद और 12 राज्यसभा सांसद हैं। यह दावा करते हुए कि वह लोकसभा में पार्टी की मुख्य सचेतक बनी हुई हैं, दस्तीदार ने कहा कि यह फैसला साथी सांसदों के साथ विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। यह घटनाक्रम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी के भीतर बढ़ते आंतरिक संकट के बीच आया है, जिसने हाल के दिनों में वरिष्ठ नेताओं के खुले विरोध और इस्तीफों को देखा है।

विशाखापट्टनम स्टील प्लांट में हादसा, 8 मजदूरों की मौत

पिघला गर्म लोहा क्रेन से ले जा रहे थे, बैलेंस बिगड़ने से उन पर ही गिरा

विशाखापट्टनम

आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम स्थित स्टील प्लांट में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। प्लांट में करीब 1600°C तापमान वाला पिघला हुआ लोहा (मोल्टन आयरन) मजदूरों पर गिर गया। हादसे में 8 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, प्लांट में क्रेन की मदद से एक बड़े बकेट में पिघला हुआ लोहा एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान बकेट का संतुलन बिगड़ गया और उसमें भरा गर्म लोहा नीचे काम कर रहे कर्मचारियों पर गिर गया।

हादसा राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के स्टील प्लांट में हुआ। हादसे के बाद प्लांट परिसर में

अफरा-तफरी मच गई। राहत और बचाव दल ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया।

अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। पता लगाया जा रहा है कि कही दुर्घटना की वजह तकनीकी खराबी या सुरक्षा मानकों में किसी तरह की चूक तो नहीं हुई।

सीएम चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर दुख जताया

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर दुख जताया। वहीं गृह मंत्री वंगालापुडी अनिता ने विशाखापट्टनम के कलेक्टर और सिटी पुलिस कमिश्नर से फोन पर बात कर हादसे की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को घायलों को बेहतर इलाज दिलाने और रेस्क्यू ऑपरेशन तेज करने के निर्देश दिए।

मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपए की आर्थिक मदद की घोषणा

हादसे पर पीएम नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इस दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति उनकी संवेदनाएं हैं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। मोदी ने पीड़ितों प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की।

पीओके में हिंसा, 11 की मौत, इनमें 4 पुलिसकर्मी

विधानसभा में आरक्षित सीटें खत्म करने की मांग

मुज्जफराबाद

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई हिंसक झड़पों में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 70 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक यह हिंसा जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी और क्षेत्रीय सरकार के बीच चल रहे विवाद के दौरान हुई।

रिपोर्ट के अनुसार मृतकों में 7 नागरिक और 4 पुलिसकर्मी शामिल हैं। वहीं 23 सुरक्षाकर्मी और करीब 50 प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। पुलिस ने अब तक 30 लोगों को गिरफ्तार किया है। पीओके में जेएएसी और सरकार के बीच विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद चल रहा है। ये सीटें उन शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं जो जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में जाकर बसे थे। JAAC इन सीटों को खत्म करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहा है।

सरकार ने 5 जून को JAAC पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद से इलाके में तनाव लगातार बढ़ रहा है।

आईएनडीआईए ब्लॉक की 7वीं बैठक, द्रमुक और आप ने बनाई दूरी

नीट और सीबीएसई में गड़बड़ी पर प्रधान का इस्तीफा मांगा

एसआईआर में करोड़ों वोटर के नाम कटे, सीजेआई को पत्र भी लिखेंगे: खड़गे

नई दिल्ली

दिल्ली में आईएनडीआईए ब्लॉक की 2 साल बाद हुई 7वीं बैठक में सोमवार को 25 दलों के नेता शामिल हुए। दिल्ली में हुई इस बैठक में उद्धव ठाकरे और हेमंत सोरेन ऑनलाइन जुड़े, जबकि सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, सुप्रिया सुले,

कपिल सिब्बल समेत कई शामिल हुए। मीटिंग के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- 2 घंटे से ज्यादा चली बैठक में 5 मुद्दों पर सहमति बनी है। नीट में देश के युवाओं के साथ धोखा हुआ है। नीट और सीबीएसई की गड़बड़ी के लिए शिक्षा मंत्री जिम्मेदार हैं, वह तुरंत इस्तीफा दें।

उन्होंने कहा कि गठबंधन हर 2 महीने में महंगाई, बेरोजगारी और अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर बैठक करेगा। एसआईआर और चुनाव की निष्पक्षता को लेकर आईएनडीआईए ब्लॉक सीजेआई को लेटर भी लिखेगा। 8 अगस्त को अगली बैठक हैदराबाद में होगी। मानसून सत्र के दौरान भी विपक्ष बैठक करेंगे।

ब्लॉक की 7वीं बैठक सोमवार को दिल्ली में हुई। दोपहर 12 बजे शुरू हुई बैठक में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, सुप्रिया सुले समेत 25 दलों के 34 नेता और निर्दलीय राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल शामिल हुए।

तकरीबन 2 घंटे से ज्यादा चली बैठक के बाद दोपहर 3 बजे आईएनडीआईए ब्लॉक की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में खड़गे ने कहा- बैठक में 25 दलों के नेता शामिल हुए। बैठक में 5 मुद्दों पर सहमति बनी। नीट में देश के युवाओं के साथ धोखा हुआ। नीट और सीबीएसई के मुद्दे पर शिक्षा मंत्री के तुरंत इस्तीफे की मांग की।

पांच धार्मिक स्थल समेत 125 अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

जयपुर के कई इलाकों में इंटरनेट बंद, हजारों जवान तैनात

जयपुर

जयपुर के जगतपुरा में जयपुर विकास प्राधिकरण ने सोमवार को अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर चलाया। यह कार्रवाई नंदपुरी अंडरपास से रेलवे लाइन के समानांतर बनी सड़क की चौड़ाई 80 फीट करने के लिए की गई। 5 धार्मिक स्थल समेत 125 से ज्यादा अवैध निर्माण हटाए गए।

जयपुर के कई इलाकों में आज इंटरनेट बंद है। कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह फैसला लिया गया। जयपुर के संभागीय आयुक्त वी. सरवन कुमार की ओर से जारी आदेश के अनुसार, रविवार रात 12 से सोमवार रात 12 बजे तक कई इलाकों में 2जी, 3जी, 4जी और 5जी मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद हैं।

सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए करीब 3 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए गए। नंदपुरी के पूरे क्षेत्र में बिजली की सप्लाई भी काट दी गई ताकि लोग घर पर वाई-फाई का इस्तेमाल भी नहीं कर सकें। रोड ब्लॉक कर लोगों की आवाजाही को रोक दिया गया। ड्रोन कैमरों से निगरानी रखी गई। छतों पर चढ़े लोगों को पुलिस ने माइक से अनाउंस करके नीचे उतारा।

मणिपुर के उखरुल में असम राइफल्स का विरोध, बंकर तोड़ा

जवानों का दावा- महिलाओं ने उन पर पेट्रोल डाला

उखरुल

मणिपुर के उखरुल जिले के शोक्वाओ और न्यू हेवन इलाके में रविवार सुबह सैकड़ों महिलाएं असम राइफल्स के जवानों और वाहनों के आगे दीवार बनकर खड़ी हो गईं।

मशालें, लाठियां लिए ये तंग्खुल नगा महिलाएं जवानों को आगे नहीं बढ़ने दे रही थीं। सैन्य अधिकारियों ने चेतावनी दी। इसके बावजूद वे डटी रहीं और 'हमारी

जमीन, हमारा अधिकार' नारे लगाती रहीं।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, जवानों ने पुलिस और मजिस्ट्रेट की गैरमौजूदगी में कई राउंड हवाई फायर किए और लाठीचार्ज किया। प्रदर्शन कर रही महिलाओं से धक्का-मुक्की भी की गई। हालांकि सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में जवानों ने यह दावा किया है कि विरोध कर रही महिलाओं ने उन पर पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश की।

रिपोर्ट्स में एक प्रदर्शनकारी के पैर पर गोली लगने का दावा किया गया। वहीं, 22 महिलाएं घायल हो गईं। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राजस्थान में स्कूलों की छुट्टियां 7 दिन बढ़ाई

इस बार गर्मी की छुट्टी 43 दिन की रहेगी

बीकानेर

राजस्थान के स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां 7 दिन बढ़ा दी गई है। शिक्षा विभाग ने सोमवार को इसके आदेश जारी कर दिए। अब राज्य के सरकारी और निजी स्कूलों में 20 जून की जगह 28 जून तक अवकाश रहेगा। स्कूल 29 जून से स्कूल खुल जाएंगे। वहीं प्रिंसिपल फिर से स्कूलों में 2 दिन का अवकाश जारी कर सकेंगे। पहले इसे 1 दिन का कर दिया था।

दरअसल, शिक्षा विभाग ने 20 जून तक गर्मियों की छुट्टियां घोषित की थी। 21 जून को रविवार होने के कारण स्कूल 22 जून से खुलने थे, लेकिन लगातार पड़ रही गर्मी और शिक्षक संगठनों की मांग के बाद सरकार ने अवकाश अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है।

आदेश के अनुसार इस साल स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां 43 दिन हो गई है। शिक्षा विभाग ने इसके लिए आधिकारिक आदेश जारी कर सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से मुलाकात कर गर्मी की छुट्टियां बढ़ाने की मांग रखी थी।

भारत का परमाणु जखीरा बढ़कर 190 पहुंचा

पहली बार 12 परमाणु हथियार मोर्चे पर तैनात किए

नई दिल्ली

भारत का परमाणु हथियारों का भंडार 180 से बढ़कर 190 हो गया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) की ताजा रिपोर्ट में यह बताया गया है। SIPRI की रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने पहली बार 12 परमाणु हथियार मोर्चे पर तैनात किए हैं। इसी बीच देश का 2025 में सैन्य खर्च 92.1 अरब डॉलर रहा, जिससे वह दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश बना।

रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में भारत ने एक भी परमाणु वॉरहेड तैनात नहीं किया था। लेकिन, 2026 में 12 परमाणु हथियारों को तैनात कर रखा है। पाकिस्तान के परमाणु हथियारों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। उसके पास वर्तमान में 170 परमाणु हथियार हैं। भारत लंबी दूरी के हथियारों पर केंद्रित हो रहा है, ताकि पूरे चीन तक मारक पहुंच बन सके। भारत एक साथ चीन और पाकिस्तान दोनों मोर्चों पर संतुलित रणनीतिक क्षमता बनाए रखने की कोशिश कर रहा है।

होर्मुज में जलते जहाज से 24 भारतीयों का रेस्क्यू

ईरान बोला- अब इजराइल पर हमले नहीं

भारत ने नागरिकों को ईरान छोड़ने को कहा

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

होर्मुज स्ट्रेट के पास एक तेल टैंकर में आग लगने के बाद उस पर सवार 24 भारतीय नाविकों को इंडियन नेवी ने बचा लिया है। शुरुआती रिपोर्टों में जहाज पर हमले की आशंका जताई गई है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

इस बीच ईरान ने घोषणा की है कि उसने फिलहाल इजराइल के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई रोक दी है। हालांकि उसने चेतावनी दी कि अगर इजराइल ने फिर से

लेबनान या अन्य जगहों पर हमला किया तो उसे पहले से ज्यादा सख्त जवाब दिया जाएगा।

दूसरी ओर अमेरिका युद्धविराम और शांति समझौते की कोशिशों में जुटा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया है कि इजराइल और ईरान दोनों संघर्ष रोकना चाहते हैं और अंतिम समझौते को लेकर बातचीत आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि समझौता होने तक ईरान पर लगी नाकाबंदी जारी रहेगी।

हालात को देखते हुए भारत सरकार ने ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द वहां से निकलने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर भारतीयों की मदद के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

ईरान बोला- न युद्ध से पीछे हटेंगे, न बातचीत से

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा है कि उनके देश की सबसे बड़ी प्राथमिकता राष्ट्रीय सुरक्षा और लोगों की शांति है।

सोशल मीडिया पर जारी बयान में उन्होंने कहा कि ईरान अपने अधिकारों की रक्षा मजबूती से करेगा और किसी भी धमकी के सामने पीछे नहीं हटेगा।

पजशकियान ने कहा कि देश की ताकत सिर्फ रक्षा में नहीं, बल्कि बातचीत में भी है। उनके मुताबिक, ईरान ने न तो अपनी रक्षा की तैयारी छोड़ी है और न ही बातचीत का रास्ता बंद किया है।

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, 19 की मौत

4.5 फीट से ज्यादा ऊंची लहरें उठीं, 2 घंटे में 138 झटके आए

मनीला

फिलीपींस में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। प्रभावित इमारतों में ज्यादातर दुकानें, दफ्तर और व्यावसायिक भवन शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक अब तक 19 लोगों की मौत हुई है, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हैं।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5:07 बजे आया। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के पास समुद्र में था। यह

सारंगानी प्रांत के मासीम कस्बे से लगभग 32 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में और 33 किलोमीटर की गहराई पर आया। अधिकारियों का कहना है कि यह इस साल फिलीपींस में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप है।

भूकंप के बाद सुनामी भी आई। सबसे ऊंची लहर की ऊंचाई 1.4 मीटर (करीब 4.6 फीट) रही। एहतियात के तौर पर इंडोनेशिया और मलेशिया ने भी सुनामी की चेतावनी जारी की थी, जिसे कुछ घंटों बाद वापस ले लिया गया।

फिलीपींस के ज्वालामुखी और भूकंप विज्ञान संस्थान (फिवोल्क्स) ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे तक 138 आफ्टरशॉक दर्ज किए गए। इन झटकों की तीव्रता 1.3 से 6.7 के बीच रही।

जंतर-मंतर के प्रदर्शन को बताया ट्रेलर और दे दिया सरकार को अल्टीमेटम

–कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा– मांग नहीं मानी गई तो 7 दिन बाद फिर लौटेंगे

–शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन तेज करने की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। परीक्षा प्रणाली में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक की घटनाओं और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद रविवार को पार्टी ने सोशल मीडिया पर कार्यक्रम का वीडियो साझा करते हुए केंद्र सरकार को सात दिन का अल्टीमेटम दिया है और चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

कॉकरोच जनता पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए वीडियो के साथ लिखा कि शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई गई। पार्टी ने दावा किया कि यह केवल शुरुआत है और यदि जवाबदेही तय नहीं की गई तो आंदोलन का दायरा और बड़ा होगा। प्रदर्शन के दौरान सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले एक महीने से शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की जा रही है, लेकिन इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रही समस्याओं के बावजूद सरकार छात्रों और युवाओं की चिंताओं को गंभीरता से नहीं ले रही है।

आंदोलन को दिया जाएगा देशव्यापी स्वरुप

कॉकरोच जनता पार्टी ने अपने बयान में कहा है कि यदि सात दिनों के भीतर केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पद से नहीं हटाया गया तो अगले शनिवार को फिर से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। साथ ही आंदोलन को देशव्यापी स्वरूप देने की भी चेतावनी दी गई है। अभिजीत दीपके ने कहा कि मौजूदा प्रदर्शन आंदोलन का अंत नहीं, बल्कि शुरुआत है। उन्होंने दावा किया कि यदि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो छात्रों और युवाओं की आवाज को देश के हर राज्य और शहर तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर युवाओं में बढ़ती नाराजगी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

अनेक संगठन और समूह आए समर्थन में

प्रदर्शन को विभिन्न छात्र संगठनों और राजनीतिक समूहों का भी समर्थन मिला। आंदोलन स्थल पर कई छात्र नेता मौजूद रहे। सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा सुधार के पक्षधर सोनम वांगचुक ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर आंदोलन के प्रति समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि जब न्याय और जवाबदेही की मांगों को अनसुना किया जाता है, तब लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना आवश्यक हो जाता है। सीजेपी का यह प्रदर्शन ऐसे समय हुआ है जब देश में परीक्षा प्रणाली, पेपर लीक और शिक्षा सुधार जैसे मुद्दों को लेकर युवाओं और अभिभावकों में सरकार के प्रति नाराजगी जारी है।

मुंबई एयरपोर्ट पर सोना तस्करी का बड़ा खुलासा, भाजपा से जुड़े पदाधिकारी समेत 5 गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोना तस्करी के खिलाफ राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भाजपा से जुड़े एक पदाधिकारी सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने आरोपियों के कब्जे से 5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सोना और अन्य सामान बरामद किया है। डीआरआई द्वारा की गई इस कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों में अजित आचरेकर का नाम प्रमुख रूप से सामने आया है। जानकारी के अनुसार, आचरेकर भाजपा की एक श्रमिक (कामगार) संगठन में सचिव के पद पर कार्यरत हैं। उनके अलावा रोहित कुमार सिंह, संतोष सुभाष, समीमुल्ला शाह, हमीद लेबेरीफखान और फलिल मोहम्मद कासिम को भी हिरासत में लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, डीआरआई की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट परिसर में संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर इन लोगों को रोका और पूछताछ शुरू की। जांच के दौरान अधिकारियों को सोना तस्करी से जुड़े महत्वपूर्ण सबूत मिले, जिसके बाद सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में बरामद सोने की कीमत 5 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। अधिकारियों का मानना है कि यह मामला केवल एक तस्करी की घटना नहीं, बल्कि किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। जानकारी के अनुसार, अजित आचरेकर ने कुछ महीने पहले ही भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। उनका पार्टी में प्रवेश महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की मौजूदगी में आयोजित एक कार्यक्रम में हुआ था। इसके बाद उन्हें पार्टी की श्रमिक इकाई में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी। डीआरआई अब इस बात की जांच कर रही है कि इस तस्करी के पीछे कोई अंतरराष्ट्रीय सोना तस्करी गिरोह सक्रिय था या नहीं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि विदेशों में मौजूद किन व्यक्तियों या संगठनों के नेटवर्क का इस्तेमाल इस अवैध कारोबार के लिए किया गया। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आने वाले दिनों में इस तस्करी रैकेट से जुड़े अन्य लोगों के नाम भी सामने आ सकते हैं। फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और बरामद सोने के स्रोत तथा उसके अंतिम गंतव्य का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

राज्यसभा में मजबूत हो सकता है एनडीए, बदले राजनीतिक समीकरणों पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की स्थिति आने वाले महीनों में और मजबूत हो सकती है। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और विभिन्न दलों में बदलते समीकरणों के बाद भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए उच्च सदन में दो-तिहाई बहुमत जुटाने की संभावनाओं पर चर्चा तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार पश्चिम बंगाल में टीएमसी की टूट, आम आदमी पार्टी के कुछ सांसदों के भाजपा खेमे में जाने और विभिन्न राज्यों में बदलते राजनीतिक समीकरणों ने एनडीए की स्थिति को मजबूत किया है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु की राजनीति में लगातार संभावित बदलावों पर भी नजर रखी जा रही है। संविधान संशोधन जैसे महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने के लिए संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। ऐसे में राज्यसभा में संख्या बल बढ़ाना केंद्र सरकार के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि विपक्षी दल इन दावों को राजनीतिक अटकलें बताते हुए कहते हैं कि आगामी चुनाव और क्षेत्रीय दलों की रणनीतियां ही भविष्य की तस्वीर स्पष्ट करेंगी। फिलहाल राज्यसभा के बदलते समीकरण राष्ट्रीय राजनीति का महत्वपूर्ण विषय बने हुए हैं।

ऑटोमेटिक सिग्नलिंग कार्य से 21 ट्रेनें प्रभावित, कई मार्ग बदले गए

बरेली (एजेंसी)। मुरादाबाद-गाजियाबाद रेलखंड के पिलखुआ-कुचेसर रोड सेक्शन में ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग कमीशनिंग कार्य के चलते रेलवे ने 21 ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया है। इसके तहत कई ट्रेनों के मार्ग परिवर्तित किए गए हैं, जबकि कुछ को पुनर्निर्धारित और नियंत्रित कर चलाया जाएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार लालकुआं-आनंद विहार एक्सप्रेस, छपरा-दिल्ली एक्सप्रेस, न्यू जलपाईगुड़ी-उधना एक्सप्रेस, लखनऊ-आनंद विहार एक्सप्रेस और सहरसा-अमृतसर एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों को वैकल्पिक मार्गों से चलाया जाएगा। कुछ ट्रेनों का बरेली, मुरादाबाद, अमरोहा और हापुड़ जैसे स्टेशनों पर ठहराव भी अस्थायी रूप से समाप्त रहेगा। इसके अलावा सहरसा-आनंद विहार, मुजफ्फरपुर-पोरबंदर और लालकुआं-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस समेत आठ ट्रेनों को निर्धारित समय से देरी से रवाना किया जाएगा। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति जांचने की अपील की है।

पुर्तगाल में फायरिंग के बाद विदेशी धरती पर गैंगवार की चर्चा तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुर्तगाल में हुई एक कथित फायरिंग घटना के बाद विदेशों में सक्रिय भारतीय मूल के आपराधिक गिरोहों के बीच गैंगवार की चर्चाएं तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्टों में राहुल आर.के. मीणा और सुनील मीणा गैंग का नाम सामने आया है, हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वायरल पोस्टों में दावा किया गया है कि पुर्तगाल के विला नोवा डी मिलफोंटेस क्षेत्र में एक कथित प्रतिद्वंद्वी गिरोह के ठिकाने पर कई राउंड फायरिंग की गई। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और ऑडियो संदेशों में कुछ लोगों ने घटना की जिम्मेदारी लेने का भी दावा किया है। पोस्ट में इसे प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के लिए चेतावनी बताया गया है और भविष्य में गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई है। हालांकि स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशों में सक्रिय भारतीय मूल के अपराधी नेटवर्क और उनके बीच बढ़ते टकराव चिंता का विषय हैं। फिलहाल वायरल सामग्री की सत्यता और घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

दिल्ली के अयप्पा मंदिर में सबरीसम भवन का उद्घाटन करेंगे शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार को नई दिल्ली के आरके पुरम स्थित प्रसिद्ध अयप्पा मंदिर परिसर में नवनिर्मित सबरीसम भवन का उद्घाटन करेंगे। यह उद्घाटन समारोह शाम 5:30 बजे आयोजित किया जाएगा, जहां गृह मंत्री शाह औपचारिक रूप से इस नवनिर्मित भवन को श्रद्धालुओं और मंदिर समुदाय को समर्पित करेंगे। इस नई सुविधा का मुख्य उद्देश्य मंदिर के बुनियादी ढांचे का विस्तार करना तथा उसकी धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाना है। मंदिर प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार, सबरीसम भवन वर्षभर आयोजित होने वाले विभिन्न आध्यात्मिक समारोहों, सामुदायिक कार्यक्रमों, धर्मार्थ पहलों और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करेगा। इस उद्घाटन कार्यक्रम की महत्ता को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री के कार्यालय ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए लिखा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नई दिल्ली के अयप्पा मंदिर परिसर में नवनिर्मित सबरीसम भवन का उद्घाटन करेंगे। नई दिल्ली के आरके पुरम में स्थित अयप्पा मंदिर को पूरे उत्तर भारत में भगवान अयप्पा के सबसे प्रमुख और पूजनीय मंदिरों में से एक माना जाता है। वर्ष 1980 में स्थापित किया गया यह भव्य मंदिर अपनी पारंपरिक केरल शैली की उत्कृष्ट वास्तुकला के लिए देश भर में प्रसिद्ध है। यह मंदिर दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ आसपास के पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए गहरी आस्था का केंद्र है। समय के साथ यह राष्ट्रीय राजधानी में रह रहे मलयाली समुदाय और भगवान अयप्पा के भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक मंच के रूप में विकसित हुआ है। इस मंदिर में नियमित रूप से पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान, भजन, विशेष पूजा, सांस्कृतिक उत्सव तथा जनसेवा से जुड़े अनेक कार्य आयोजित किए जाते हैं। इसकी भूमिका केवल पूजा-अर्चना तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यहां सामाजिक कल्याण और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने वाले कई बड़े सेवा कार्य भी संचालित किए जाते हैं।

कैप्टन अमरिंदर सिंह शाह-नड्डा से मिले, कांग्रेस वापसी की अटकलें खारिज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के वरिष्ठ नेता जे.पी. नड्डा से मुलाकात की। इस उच्च-स्तरीय बैठक ने न केवल उनके कांग्रेस में लौटने की तमाम अटकलों पर विराम लगा दिया, बल्कि 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में भाजपा की रणनीति और संगठन विस्तार के लिए इसे बेहद अहम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, कैप्टन ने पंजाब की मौजूदा राजनीतिक स्थिति, भाजपा के जनाधार को मजबूत करने और पार्टी के सामने मौजूद चुनौतियों को लेकर अपने अनुभव साझा किए।

अब हरिद्वार में बिरयानी नाम पर ऐतराज, संतों ने वेज पुलाव कहने को कहा

–अखाड़ा के सदस्य बोले–इससे सनातनी समुदाय की धार्मिक भावनाओं का सम्मान होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरिद्वार,(ईएमएस)। हरिद्वार के अखंड परशुराम अखाड़ा ने भोजनालयों से अपने साइनबोर्ड और मेनू से बिरयानी शब्द हटाने का आग्रह किया है। उनका प्रस्ताव है कि पवित्र शहर की धार्मिक पवित्रता बनाए रखने के लिए वेज बिरयानी का नाम बदलकर वेज पुलाव कर दिया जाए। संतों ने हरिद्वार भर में कई खाद्य विक्रेताओं का दौरा किया और दावा किया कि चूंकि बिरयानी पारंपरिक रूप से मांसाहारी भोजन से जुड़ी है, इसलिए इस पवित्र धार्मिक स्थल पर इसका इस्तेमाल अनुचित है और इससे स्थानीय लोगों और आने वाले श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हो सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अखंड परशुराम अखाड़ा के सदस्यों ने कहा कि प्रस्तावित बदलाव से विक्रेताओं के व्यवसाय पर कोई असर नहीं पड़ेगा, बल्कि इससे सनातनी समुदाय की धार्मिक भावनाओं का सम्मान होगा। अखाड़ा के एक सदस्य ने कहा कि हरिद्वार एक पवित्र नगर है। हमने दुकानदारों से आग्रह किया है कि मांस से बने व्यंजनों के पर्याय माने जाने वाले इस पकवान को यहां 'बिरयानी' के नाम से न बेचा जाए। हमने उनसे इसे 'वेज पुलाव' के नाम से बेचने को कहा है। सभी दुकानदारों से अनुरोध किया है कि वे अपने मेनू और साइनबोर्ड पर बिरयानी शब्द के स्थान पर वेज पुलाव लिखें। यदि कोई इसके बाद भी बिरयानी शब्द का प्रयोग करता रहेगा, तो हम उसके खिलाफ औपचारिक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। हमारा उद्देश्य शहर की पवित्रता और धार्मिक वातावरण को बनाए रखना है। हम सभी विक्रेताओं से अनुरोध करते हैं कि वे इस अनुरोध में सहयोग करें ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार का विवाद न हो।

इंडिया ब्लॉक की बैठक से डीएमके-आप ने बनाई दूरी, जेएमएम भी नाराज

–सीपीआई-एम ने कहा– बीजेपी से 'डील' के आरोप गठबंधन की मूल भावना के खिलाफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ब्लॉक की सोमवार को होने वाली बैठक से पहले मतभेद सामने आ गए हैं। डीएमके द्वारा कांग्रेस की मौजूदगी के कारण इस बैठक से दूर रहने की घोषणा के बाद अब सीपीआई-एम ने भी कांग्रेस की कार्यशैली पर नाराजगी जताई है। सीपीआई-एम ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि केरल में उसके नेताओं द्वारा लगाए गए बीजेपी के साथ 'डील' के आरोप गठबंधन की मूल भावना के खिलाफ हैं। सूत्रों का कहना है कि झारखंड राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा उम्मीदवार उतारे जाने से बाद से हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा भी नाखुश है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीपीआई-एम महासचिव एम ए बेबी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही इस पत्र की कई कॉपियां गठबंधन के अन्य सहयोगी दलों को भी भेजी हैं। बेबी ने पत्र में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बयानों पर ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि केरल विधानसभा चुनाव अभियान में कांग्रेस ने बार-बार ये प्रचार किया कि सीपीआई-एम और बीजेपी के बीच राजनीतिक समझौता है और तत्कालीन सीएम पिनराई विजयन और पीएम मोदी के बीच खास डील हुई है। सीपीआई-एम ने इसे विपक्षी गठबंधन की भावना के खिलाफ बताया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माकपा नेता ने इन आरोपों को पूरी तरह से मनगढ़ंत करार दिया है जिसे वो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं कर सकते! उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व को याद दिलाया कि केरल की धरती पर आरएसएस और बीजेपी के खिलाफ सीधे राजनीतिक लड़ाई लड़ते हुए माकपा ने अपने सैकड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं को खोया है। बेबी ने अपने पत्र में कहा कि इंडिया ब्लॉक बीजेपी के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई के लिए बना था और ऐसे वक्त में सहयोगी दलों पर ही संदेह जताना गठबंधन की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन आरोपों पर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई तो 8 जून यानी सोमवार की गठबंधन बैठक से पहले ही एकता पर सवाल खड़े हो जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस के रवैये पर कड़े सवाल उठाने के बावजूद सीपीआई-एम ने विपक्षी एकजुटता और समन्वय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। बेबी ने साफ किया कि उनकी पार्टी संसद के अंदर मोदी सरकार की तानाशाही, सांप्रदायिक और जनविरोधी नीतियों का मजबूती से विरोध करने के लिए अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर काम करती रहेगी। वहीं, दिल्ली में होने वाली इस रणनीतिक बैठक में ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव और राहुल गांधी जैसे शीर्ष नेताओं के शामिल होने की संभावना है। हालांकि, कांग्रेस के साथ मतभेदों के चलते डीएमके के इस बैठक में शामिल होने की उम्मीद कम हैं। दूसरी ओर आम आदमी पार्टी ने भी इस बैठक से दूरी बना ली है, जिससे विपक्षी गठबंधन की एकजुटता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

उधर, झारखंड में आगामी राज्यसभा चुनावों में दो राज्यसभा सीटों में से एक पर कांग्रेस द्वारा अपने उम्मीदवार प्रणव झा की घोषणा करने पर जेएमएम भी कांग्रेस से नाराज है। सूत्रों का कहना है कि सीएम हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ जेएमएम राज्य की दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारना चाहती थी, क्योंकि जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन के पास दोनों सीटें जीतने के लिए पर्याप्त संख्या बल है। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने गठबंधन में किसी भी तरह की फूट या बिखराव के दावों को खारिज किया है। राउत ने कहा कि भले ही डीएमके ने इस बैठक से दूरी बना ली हो, लेकिन विपक्ष को तमिलनाडु में टीवीके के रूप में एक मजबूत वैकल्पिक मित्र मिल गया है।

कर्नाटक में रामलिंगा रेड्डी ने लिया इस्तीफा वापस, विपक्ष की रणनीति को झटका

–सुरजेवाला बोले– रेड्डी का व्यापक प्रशासनिक अनुभव पार्टी संरचना के लिए अमूल्य

बेंगलुरु (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कर्नाटक राज्य प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने घोषणा की है कि वरिष्ठ नेता रामलिंगा रेड्डी ने आधिकारिक तौर पर अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। सुरजेवाला ने इस बात पर जोर दिया कि रेड्डी का व्यापक प्रशासनिक अनुभव पार्टी संरचना के लिए अमूल्य बना है और पुष्टि की कि अनुभवी राजनेता संगठन के एक निष्ठावान सिपाही के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते रहेंगे और अपना मंत्री पद बरकरार रखेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस समाधान ने विपक्ष की रणनीतियों को झकझोर दिया है, क्योंकि कांग्रेस नेतृत्व का कहना है कि आंतरिक परिवर्तन के सुचारू प्रबंधन को लेकर बीजेपी अभी भी स्तब्ध है। केंद्रीय नेतृत्व और रेड्डी के बीच संगठनात्मक शिकायतों के समाधान के लिए गहन चर्चा के बाद इस्तीफे को वापस लेने का फैसला लिया। मतभेद को एक संक्षिप्त गलतफहमी बताते हुए, सुरजेवाला ने राज्य इकाई में रामलिंगा रेड्डी के गहरे संस्थागत महत्व को दोहराया। गतिरोध को शीघ्रता से हल करके, पार्टी ने अपने मंत्रिमंडल की स्थिरता को बनाए रखने और एक अहम विधायी मोड़ पर एकजुट होकर सामने आने में सफलता प्राप्त की है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि समाधान ने गुटबाजी की संभावित कमजोरियों को समाप्त कर दिया है, जिससे उच्च कमान को अपना पूरा ध्यान अपने मुख्य विधायी और शासन संबंधी एजेंडों पर केंद्रित करने का अवसर मिला है।

रिपोर्ट के मुताबिक नेतृत्व संकट को सुलझाने के साथ-साथ, कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीतिक तैयारियों को सफलतापूर्वक सुव्यवस्थित कर लिया है। वरिष्ठ नेता बी के हरिप्रसाद ने अपने सहयोगियों के साथ राज्यसभा और राज्य विधान परिषद दोनों की अहम सीटों के लिए औपचारिक रूप से नामांकन दाखिल किया है। यह समन्वित नामांकन दाखिल करना पार्टी के राज्य तंत्र द्वारा अपनी विधायी शक्ति को मजबूत करने के लिए किए जा रहे उच्चस्तरीय समन्वित प्रयास को दर्शाता है। यह प्रक्रिया कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की उपस्थिति में किए गए हाई-प्रोफाइल नामांकन दाखिल करने के बाद हुई है, जो राज्य इकाई के दीर्घकालिक विकास के लिए केंद्र के मजबूत समर्थन का संकेत है।

युवा भविष्य को सुरक्षित करने में विश्वास रखते हैं, वे कठपुतली नहीं बनेंगे

बीजेपी अध्यक्ष नवीन ने बिना नाम लिए सीजेपी के संस्थापक पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने आरोप लगाया है कि कुछ ताकतें देश के युवाओं को नकारात्मक राजनीति की ओर धकेलने का कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत के युवा राष्ट्र निर्माण और अपने भविष्य को सुरक्षित करने में विश्वास रखते हैं। वे किसी के हाथ की कठपुतली नहीं बनेंगे। झारखंड के रांची में बुद्धिजीवियों के साथ संवाद करते हुए नितिन नबीन ने कहा कि कुछ लोग विदेश में बैठकर यह सोचते हैं कि वे भारत के युवाओं को दिशा दे सकते हैं। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका यह बयान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके के संदर्भ में माना जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आज का युवा नवाचार, सृजन और राष्ट्र निर्माण की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। देश में करीब दो लाख स्टार्टअप युवाओं की मेहनत और प्रतिभा का परिणाम हैं। भारत वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नबीन ने कहा कि विरोध करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अंदर होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग युवाओं को व्यवस्था विरोधी राजनीति की ओर धकेलना चाहते हैं, उन्हें समझ लेना चाहिए कि भारत का युवा सकारात्मक राजनीति का ही चयन करेगा। बीजेपी अध्यक्ष ने पीएम मोदी के विकसित भारत 2047 विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 12 सालों में देश में बड़े बदलाव हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है और 54 करोड़ जनधन खाते खोले गए हैं। उन्होंने महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छता अभियान जैसी योजनाओं का भी उल्लेख किया। नबीन दो दिवसीय झारखंड दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने पार्टी नेताओं के साथ संगठनात्मक बैठकों में हिस्सा लिया और पार्टी को मजबूत करने पर चर्चा की। उनका यह दौरा झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के चुनाव से पहले अहम माना जा रहा है।

नाम बदलने की राजनीति: सांस्कृतिक पुनर्जागरण या राजनीतिक रणनीति?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और विभिन्न राज्यों में भाजपा की सरकारों ने स्थलों, इमारतों के नाम परिवर्तन का जो दौर चलाया उसे लेकर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। देश में शहरों, गली-मोहल्ले, सड़कों, रेलवे स्टेशनों और अब विश्वविद्यालयों के नाम बदलने का सिलसिला लगातार तेज होता जा रहा है। हाल ही में भोपाल स्थित बरकतुल्ला विश्वविद्यालय का नाम बदलकर मां वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय किए जाने के प्रस्ताव पास होने के बाद यह बहस फिर तेज हो गई है कि नाम परिवर्तन के पीछे वास्तविक उद्देश्य क्या है।

अनावश्यक तौर पर किए जा रहे नाम परिवर्तन की आलोचना करने वालों का तर्क है कि यह प्रक्रिया राजनीतिक लाभ और भाजपा के वैचारिक एजेंडे का हिस्सा है। उनका कहना है कि नाम बदलने से रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और महंगाई जैसी मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं होता। विशेषज्ञों के अनुसार नाम परिवर्तन किए जाने से सरकार पर आर्थिक प्रभाव भी पड़ता है। सरकारी दस्तावेजों, साइनबोर्ड, वेबसाइटों और रिकॉर्ड को अपडेट करने में भारी खर्च आता है। इसके साथ ही सदियों की पहचान बने स्मारक अपनी असली पहचान भी खोते चले जाते हैं। उनकी पहचान कायम करने के लिए अलग से प्रयास किए जाते हैं, जिसमें काफी समय लग जाता है, जबकि दुनियाभर में ऐसे कार्यों की आलोचना ही होती है, कोई इसकी प्रशंसा नहीं करता दिखता। हालांकि समर्थकों का मानना है कि यह एक बार का निवेश है, जबकि सांस्कृतिक पहचान का लाभ लंबे समय तक बना रहता है।

विवाद को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेता भी मुखर हुए हैं उन्होंने कहा है, कि यह कदम देश को औपनिवेशिक और विदेशी शासकों की विरासत से मुक्त कर भारतीय सांस्कृतिक पहचान को पुनर्स्थापित करने के लिए उठाए जा रहे हैं। पार्टी के अनुसार, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाले पुराने नामों को वापस लाकर राष्ट्रीय गौरव को मजबूत किया जा रहा है। इस पर विरोधी खेमा कहता देखा जाता है कि बरकतुल्ला भोपाली जैसे स्वतंत्रता सेनानी के नाम की जगह कोई और नाम रखा जाना औपनिवेशिक और विदेशी शासकों की विरासत से मुक्त करने जैसी सोच से जोड़कर कैसे देखा जा सकता है? अब इस तरह के नाम परिवर्तन को लेकर सोशल मीडिया पर विरोध दर्ज कराया जाने लगा है। विरोध करने वालों का कहना है कि नाम परिवर्तन करने की जगह मूलभूत समस्याओं पर ध्यान दिया जाए तो बेहतर होगा।

खबर का असर : पोटलां तालाब में हजारों मछलियों की मौत का मामला, प्रशासन ने तीन विभागों को कार्यवाही के दिए निर्देश

ठेकेदार की संवेदनहीन करतूत, बच्चों से मरी हुई मछलियां उठवाई, बढ़ा विवाद

पोटलां तालाब बना 'डेथ ट्रैप': हजारों मछलियों की मौत से फैली दुर्गंध, प्रशासन की चुप्पी से ग्रामीणों में भारी आक्रोश

स्मार्ट हलचल | गंगापुर

पोटलां कस्बे के प्रमुख जलस्रोत पोटलां तालाब' में रविवार को अचानक हजारों की संख्या में मछलियों के मरने से हड़कंप मच गया। तालाब की सतह पर तैरती मछलियों के कारण पूरे क्षेत्र में दुर्गंध फैल गई , जिससे स्थानीय लोगों का जीना दूभर हो गया । इस गंभीर स्थिति को देखते हुए गंगापुर उपखंड अधिकारी विवेक गुर्जर ने मामले में कार्रवाई करते हुए जल संसाधन विभाग, सहाड़ा तहसीलदार व पशुपालन विभाग के आला अधिकारियों को मामले को लेकर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं सिंचाई विभाग, वन विभाग और स्थानीय पटवारी ने मौके पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया। लेकिन इस बीच ठेकेदार की एक संवेदनहीन करतूत सामने आई है, जिसने पूरे मामले को और भी विवादास्पद बना दिया है।

प्रशासन और विभागों का संयुक्त निरीक्षण

मछलियों के मरने की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन हरकत में आया। मौके पर पहुँचे संबंधित विभागों के कर्मचारियों ने तालाब की स्थिति का जायजा लिया और स्थिति का निरीक्षण किया। प्रारंभिक तौर पर यह आशंका जताई जा रही है कि पानी में ऑक्सीजन की कमी, प्रदूषण या किसी जहरीले पदार्थ के मिलने से यह हादसा हो सकता है। प्रशासन मछलियों के मरने के कारणों का पता लगा रहा है। वही मरी हुई मछलियों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है।राजस्व विभाग के पटवारी ने मौका व पंचनामा तैयार कर अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी।

ठेकेदार की संवेदनहीनता मासूमों से उठवाया मृत मछलियों का ढेर

मछलियां मरने के दौरान ही सोमवार सुबह एक बेहद चौंकाने वाला और शर्मनाक मामला सामने आया। तालाब का ठेका लेने वाले ठेकेदार ने कानूनी कार्रवाई और बदनामी से बचने के लिए आनन-फानन में मरी हुई मछलियों को तालाब से बाहर निकलवाना शुरू कर दिया। चौंकाने वाली बात यह है कि इस काम के लिए ठेकेदार ने छोटे-छोटे मासूम बच्चों का सहारा लिया। ये बच्चे अपने हाथों से बिना किसी सुरक्षा उपकरण के सड़ती हुई मछलियों को उठाकर प्लास्टिक कट्टों और बोरियों में भर रहे थे। यह न केवल बाल श्रम का उल्लंघन है, बल्कि उन बच्चों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करने वाला कृत्य है।

स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश

सोमवार सुबह ग्रामीण घटनास्थल की तरफ तालाब की पाल से गुजर रहे थे इस दौरान दो छोटे बच्चों द्वारा मरी हुई मछलियों को उठाते हुए देखा इस पर लोगों ने ठेकेदार की इस हरकत पर तीव्र आक्रोश व्यक्त किया है। ग्रामीणों का कहना है कि मछलियों के सड़ने से फैल रही दुर्गंध से संक्रामक बीमारियाँ फैलने का खतरा बना हुआ है। ठेकेदार ने सबूत मिटाने के चक्कर में बच्चों की जान जोखिम में डाल दी । प्रशासन को ठेकेदार के खिलाफ बाल श्रम और लापरवाही बरतने के आरोप में सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई।

पर्यावरण पर मंडराया संकट

पर्यावरणविदों के अनुसार, इतनी बड़ी संख्या में मछलियों की मौत स्थानीय प्रशासनिक तंत्र के लिए एक बड़ा संकेत है। यदि तालाब का पानी इसी तरह प्रदूषित रहा, तो यह न केवल तालाब में पल जलजीवों के लिए, बल्कि आसपास के लोगों के लिए भी गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन सकता है। तालाब में रोज चरने वाले गाय, भैंस, बकरी सहित अनेक मवेशियों पानी पिने का एक मात्र जल स्रोत यही है ऐसे में पशुओं की जान के साथ भी खिलवाड़ हो सकता है। प्रशासन जल्द ही पानी के नमूने लेकर जांच करवाकर आगे की कार्रवाई करे, और मवेशियों की सुरक्षा की व्यवस्था कि जावे ताकि ऐसे हादसे की पुनरावृत्ति ना हो सके।

10 साल से फरार 15 हजार का इनामी बदमाश इंदौर से गिरफ्तार

24 लाख की बैंक लूट और फायरिंग कांड का आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा, पहचान छिपाकर बदलता रहा ठिकाने

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। प्रतापनगर थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए वर्ष 2016 के चर्चित बैंक लूट और फायरिंग प्रकरण में पिछले 10 वर्षों से फरार चल रहे 15 हजार रुपये के इनामी आरोपी अशोक कुमार उर्फ पप्पू चौहान (49) पुत्र उदयवीर सिह चोहान को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ प्रकरण में अनुसंधान लंबित था और पुलिस अधीक्षक द्वारा उस पर 15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन और वृत्ताधिकारी सज्जन सिंह के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी सुनील ताड़ा के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी को इंदौर से दबोचा।

पुलिस के अनुसार 18 फरवरी 2016 को इंडसइंड बैंक के कैशियर रविराज सिंह और गार्ड रामलाल करीब 24.33 लाख रुपये बैंक में जमा कराने जा रहे थे। इसी दौरान तीन बदमाशों ने नकदी से भरा बैग लूटने का प्रयास किया। विरोध करने पर एक बदमाश ने पिस्टल से फायर कर दिया, जिससे गार्ड रामलाल घायल हो गया। वारदात के बाद आरोपी मोटरसाइकिल से फरार हो गए थे।

मामले में तीन आरोपियों की पूर्व में गिरफ्तारी हो चुकी थी, जबकि मुख्य आरोपी अशोक चौहान लगातार फरार चल रहा था। पुलिस टीम ने मैनपुरी, भिंड, ग्वालियर, इंदौर, धार, राजगढ़, अलीराजपुर और मेघनगर सहित कई स्थानों पर दबिश दी। आरोपी बार-बार ठिकाने बदलकर और पहचान छिपाकर पुलिस को चकमा देता रहा। आखिरकार उसे इंदौर के तेजाजी नगर क्षेत्र में एक कच्ची झोपड़ी से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी पूर्व में सेना में नौकरी कर चुका है और बेहद शातिर अपराधी माना जाता है। कार्रवाई में थानाधिकारी सुनील ताड़ा, उपनिरीक्षक गोविंद सिंह, कांस्टेबल सुरेंद्र तथा साइबर सेल के पिंटू कुमार की विशेष भूमिका रही।

बजरी माफियाओं की गिरफ्तारी की मांग को लेकर तेली समाज का प्रदर्शन

कलेक्ट्रेट पर जमकर नारेबाजी

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। सरदारनगर निवासी सत्यनारायण तेली पर हुए जानलेवा हमले के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर समस्त तेली समाज ने सोमवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। समाजजनों ने दोषियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए बजरी माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

इसके बाद समाज के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर बताया कि बनेड़ा थाना क्षेत्र में बजरी माफियाओं ने संगठित गिरोह बनाकर सत्यनारायण तेली पर जानलेवा हमला किया था। आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद संगठित अपराध से संबंधित गंभीर धाराएं नहीं जोड़ी गई हैं और आरोपी अब भी खुलेआम घूम रहे हैं। ज्ञापन में आरोपियों द्वारा पीड़ित परिवार को लगातार धमकियां देने और गांव में दहशत फैलाने का भी उल्लेख किया गया। समाज ने मुकदमा संख्या 102/2026 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 111(2) व 110 जोड़कर सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

प्रदर्शन एवं ज्ञापन सौंपने के दौरान सत्यनारायण तेली, सुखदेव, महावीर, पवन तेली, मोहन, कमल तेली, किशन डगवाल सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

आम रास्ते से मिट्टी हटाने को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़े, चार गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | बनेडा

उपखण्ड सर्किल के नवगठित कोडलाई ग्राम पंचायत मुख्यालय पर सोमवार को आम रास्ते पर पडी मिट्टी हटाने को लेकर दो पक्षों में विवाद की सुचना पर उपखण्ड अधिकारी बाबूलाल के निर्देश पर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। आपस में झगड़ा करते दो पक्षों के चार जनो को गिरफ्तार किया है । एसडीएम के निर्देश पर थाना प्रभारी राजुराम काला. कार्यवाहक सहायक विकास अधिकारी सुर्यवीर सिंह व ग्राम विकास अधिकारी दुर्गा लाल. प्रशासक /सरपंच सालरियाकला , हल्का पटवारी के साथ ही गांव कोडलाई में कानुन व्यवस्था हैतु डयुटी हैतु एचसी गिरधारी राम (661) मय जाप्ता के मौके पर पहुंचे। जहां पर दो पक्ष आपस में रोड पर गंदगी की साफ सफाई करने व मिटटी को हटाने को लेकर मौके पर विवाद करने लगे। जिस पर प्रथम पक्ष श्रीराम पिता प्रहलाद राय कुमावत (32) . शिवनन्दन पिता प्रहलाद राय कुमावत (29) साल तथा दुसरे के पक्ष फुलचन्द पिता नानूराम कुमावत (33) . श्रीराम पिता नानूराम कुमावत (34) कोडलाई को शान्ति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। वही प्रशासन द्वारा आम रास्ते का खुलासा करवाया गया।

काली पट्टी बांधकर किया विरोध, जल्द जारी हो दो वर्ष की छूट का गजट

स्मार्ट हलचल | काछोला

वर्तमान सरकार ने वितीय वर्ष 2026 - 27 मे संविदा कर्मचारियों के नियमित स्क्रीनिंग मे दो वर्ष के छूट की घोषणा की थी और पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने संविदा रूल्स राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स,2022 बनाकर संविदा कर्मियों के नियमितीकरण का रास्ता साफ किया था ! संविदा रूल्स 2022 के रूल्स 20 के अनुसार संविदा कर्मचारियों को पांच वर्ष की संतोषप्रद सेवाएं प्रदान करने के फलस्वरूप नियमित पदों के सृजन का प्रावधान है।

प्रदेश कोषाध्यक्ष चांदमल रेगर ने बताया कि बजट घोषणा का प्रभावी क्रियान्वयन लागू नही होने के कारण प्रदेश के समस्त सीएचओ के द्वारा काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया जा रहा है,और मांग की जा रही हैं कि संविदा कर्मचारियों को दो वर्ष की छूट का लाभ जल्द से जल्द दिया जाए। सीएचओ फेडेरेशन ऑफ भारत(राज-स्थान विंग) ने क्रमवार अभियान जारी किया है जिसके प्रथम चरण मे 8 जून से 10 जून तक प्रदेश के समस्त सीएचओ काली पट्टी बांधकर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर स्वास्थ्य सेवाएं देंगे।

राज्य के मुखिया मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 2026 वर्ष के बजट मे प्रदेश के संविदा कर्मचारियों को दो वर्ष की छूट की घोषणा कर भूल गए है,राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स,2022 के अंतर्गत प्रदेश के समस्त सीएचओ को मार्च 2022 मे हेल्थ × वेलनेस सेंटर्स पर पदस्थापित किया था,ग्रामीण इलाकों में आधारभूत प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं सहित केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न फ्लैगशिप जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में ग्राम पंचायत स्तर पर प्रदेश के समस्त सीएचओ अपने कर्तव्यों का निर्वहन चार वर्षो से कर रहे हैं!

सीएचओ फेडेरेशन ऑफ भारत(राजस्थान विंग) तत्वावधान में आयोजित अभियान के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मांग करते है कि संविदा कर्मचारियों को दो वर्ष की छूट का गजट जल्द जारी हो,सीएचओ को केंद्र की गाइडलाइंस के अनुसार मिड लेवल हेल्थ प्रोवाइडर(एमएलएचपी) कैडर निर्माण कर 4800 ग्रेड पे पर नियमित पदों का सृजन किया जाए !

नशे के खिलाफ राजस्थान पुलिस की 'लक्ष्मण रेखा', प्रोजेक्ट लक्ष्मण रेखा के तृतीय चरण का राज्यव्यापी आयोजन

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा की पहल को मिला जनसमर्थन, तृतीय चरण में 5,410 लोगों ने लिया भाग

राजस्थान पुलिस, एएनटीएफ एवं सामाजिक संगठनों का संयुक्त संकल्प - 'नशामुक्त राजस्थान'

स्मार्ट हलचल | जयपुर

राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा राज्य को नशामुक्त बनाने की दिशा में चलाए जा रहे महत्वाकांक्षी अभियान 'प्रोजेक्ट लक्ष्मण रेखा' के तृतीय चरण का राज्यव्यापी आयोजन सोमवार को किया गया। महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के मार्गदर्शन एवं एएनटीएफ के महानिरीक्षक श्री विकास कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस विशेष अभियान में पुलिस, गैर-सरकारी संगठनों, शिक्षण संस्थानों तथा आमजन ने मिलकर नशे के विरुद्ध एकजुटता का परिचय दिया।

महानिदेशक पुलिस श्री शर्मा ने कहा कि नशे के विरुद्ध लड़ाई केवल कानून प्रवर्तन की नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और जनभागीदारी की भी है। इसी सोच के साथ राजस्थान पुलिस एक ओर नशा तस्करों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर रही है, वहीं दूसरी ओर युवाओं और विद्यार्थियों को नशे से दूर रखने के लिए व्यापक जनजागरण अभियान भी चला रही है। उन्होंने कहा कि राज्य को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों और आमजन का सामूहिक सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि प्रोजेक्ट के तृतीय चरण के तहत राजस्थान के विभिन्न जिलों में स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों एवं अन्य शैक्षणिक परिसरों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों, उसके सामाजिक एवं पारिवारिक परिणामों तथा स्वस्थ जीवनशैली के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रमों में पोस्टर प्रदर्शन, व्याख्यान, संवाद सत्र, नुक्कड़ नाटक तथा शपथ ग्रहण जैसे विभिन्न माध्यमों से युवाओं को जागरूक किया गया।

महानिरीक्षक पुलिस एएनटीएफ श्री विकास कुमार ने बताया कि राजस्थान पुलिस केवल मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को नशे से दूर रखने और समाज में जागरूकता पैदा करने के लिए भी व्यापक स्तर पर कार्य कर रही है। इसी सोच के तहत नशा मुक्ति क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों और सामाजिक संस्थाओं को अभियान से जोड़ा गया है।

5410 लोगों की सहभागिता, 180 छात्र स्वयंसेवक और 50 शिक्षक योद्धा बने

अभियान के दौरान पूरे राज्य में आयोजित कार्यक्रमों में कुल 5,410 सहभागियों ने भाग लिया। इनमें 180 छात्र स्वयंसेवकों तथा 50 शिक्षक योद्धाओं का चयन किया गया, जो अपने-अपने संस्थानों एवं समुदायों में नशा विरोधी जनजागरूकता अभियान को आगे बढ़ाएंगे। कार्यक्रमों के दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आमजन को नशा नहीं करने तथा दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई।

500 मीटर नशामुक्त सुरक्षा घेरा

प्रोजेक्ट लक्ष्मण रेखा के अंतर्गत शैक्षणिक संस्थानों के आसपास 500 मीटर क्षेत्र को विशेष निगरानी एवं जागरूकता के माध्यम से नशामुक्त क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस क्षेत्र में मादक पदार्थों की बिक्री, प्रचार-प्रसार अथवा सेवन पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। साथ ही विद्यार्थियों को नशीली गतिविधियों की गोपनीय सूचना देने के लिए शिकायत पेटिकाएं स्थापित की जा रही हैं।

राजस्थान के कोने-कोने में जागरूकता कार्यक्रम

एएनटीएफ की विभिन्न चौकियों एवं थानों द्वारा स्थानीय पुलिस, शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। सर्वाधिक सहभागिता जयपुर क्षेत्र में दर्ज की गई, जहां लगभग 650 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लेकर नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

प्रोजेक्ट लक्ष्मण रेखा के तहत आयोजित कार्यशालाओं का भावुक फीडबैक:

ए मुक्तिवीरों की दास्तां सुन आंखें हुई नमः कार्यक्रम के सबसे संवेदनशील पल में उन मुक्तिवीरों ने अपने अनुभव साझा किए, जो कभी नशे के दलदल में बर्बाद हो चुके थे। जब उन्होंने अंधकारमय अतीत से निकलकर एक खुशहाल जीवन की ओर लौटने का अपना संघर्ष बयां किया, तो वहां मौजूद विद्यार्थियों और शिक्षकों की आंखें नम हो गईं।

ए लघु नाटिका ने झकझोर कर रख दियाः 'दर्पण कला मंच' द्वारा नशे के कारण हंसते-खेलते परिवारों की तबाही पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इसके मर्मस्पर्शी दृश्यों ने युवाओं के दिलों को गहराई से झकझोर दिया।

ए तस्करों को बेनकाब करने का दृढ़ संकल्पः इस भावुक माहौल के बीच सभी ने एक सुर में नशा बेचने वाले अपराधियों की सूचना बिना किसी डर के पुलिस की 'शिकायत पेटिकाओं' में डालने की सहमति दी। उपस्थित जनसमुदाय ने इस अभियान को गांव-गांव, ढाणी-ढाणी तक पहुंचाकर राजस्थान को पूरी तरह नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया।

गृह स्वामी गए इलाज करवाने, पीछे से चोरों ने घर में बोला धावा

स्मार्ट हलचल | रोहित सोनी

आसींद। भीलवाड़ा जिले के आसींद थाना क्षेत्र के सुराज गांव में चोरों के हौसले एक बार फिर बुलंद नजर आए हैं। रविवार दोपहर अज्ञात चोरों ने दिनदहाड़े दो मकानों के ताले तोड़कर जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया।

जानकारी के अनुसार, ओमप्रकाश खटीक उपचार के लिए भीलवाड़ा गए हुए थे। घर सूना देखकर चोरों ने मकान के ताले तोड़ दिए और अंदर रखे जेवरात व नकदी चोरी कर ली। खास बात यह है कि करीब दो वर्ष पूर्व भी ओमप्रकाश के घर में बड़ी चोरी की वारदात हुई थी, जिसमें लाखों रुपये के जेवरात चोरी हो गए थे, लेकिन आज तक उसका खुलासा नहीं हो पाया।

वहीं गांव के ही दूदा रावल के मकान को भी चोरों ने निशाना बनाया और ताले तोड़कर सामान चोरी कर लिया।

घटना की सूचना मिलते ही आसींद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में भारी रोष और भय का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और चोरों को जल्द गिरफ्तार कर चोरी की वारदातों का खुलासा करने की मांग की है।

चोरों ने बोरिंग से केबल चोरी की

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर क्षेत्र के बड़लियास थाना कस्बे में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्य चल रहा, जहां रविवार मध्यरात्रि को अज्ञात चोरों द्वारा बोरिंग की केबल चुरा ली, चोरों की चोरी की यह घटना कमरे में कैद हो गई, इस संबंध में बड़लियास थाने में मामला दर्ज करवाया । पुलिस ने बताया कि प्रार्थी मुकेश कुमार शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई की बड़लियास में राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़लियास निर्माण कार्य चल रहा, जहां रविवार मध्यरात्रि को अज्ञात लोगों बोरिंग की विद्युत केबल काट कर ले गए, चोरों द्वारा विद्युत केबल काटने की यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें दो संदिग्ध दिखाई दिये । पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू की।

विभिन्न मांगो को लेकर कलेक्ट्रेट पर मंत्रालयिक कर्मचारियों का हल्ला बोल, सरकार को दी जयपुर मुख्यालय घेरने और जलसमाधि की चेतावनी

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर पंचायती राज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन के बैनर तले मंत्रालयिक कर्मचारियों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौंपा। वहीं, उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो कर्मचारियों द्वारा जयपुर के जलमहल में जलसमाधि ली जाएगी। पंचायती राज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार वैष्णव ने कहा कि

संपूर्ण राजस्थान में प्रदेशव्यापी आह्वान पर जिला मुख्यालय पर यह विरोध प्रदर्शन किया गया है। इस दौरान दिए गए ज्ञापन में प्रमुख रूप से यह मांग की गई है कि पिछले दो वर्षों से पंचायती राज विभाग द्वारा प्रदेश के 16,000 मंत्रालयिक कर्मचारियों के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। मंत्रालयिक संवर्ग की नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत पर आधारित मांगों को कनिष्ठ लिपिक भर्ती-2013 की जांच के नाम पर जानबूझकर लंबित रखा गया है।

संगठन का आरोप है कि पंचायती राज विभाग द्वारा एक ही भर्ती की अलग-अलग स्तर पर जांच करवाना और मुख्य जांच अधिकारी को मंत्रालयिक कर्मचारियों के मामलों से पृथक करने की मांग को दरकिनार कर, गलत तथ्यों के आधार पर रिपोर्ट तैयार करवाना विभागीय मिलीभगत का साक्ष्य है। इससे सीधे तौर पर मंत्रालयिक कर्मचारियों के हित प्रभावित हो रहे हैं। संगठन द्वारा इस मिलीभगत के साक्ष्य समय-समय पर विभाग के समक्ष प्रस्तुत किए जाते रहे हैं और आगे भी किए जाएंगे। अध्यक्ष ने स्पष्ट किया, 'हम मांग करते हैं कि जांच के नाम पर संगठन की मांगों को दरकिनार न किया जाए। यदि हमारी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो हम प्रदेशव्यापी आह्वान पर जयपुर मुख्यालय का घेराव करेंगे। इसके बावजूद यदि समाधान नहीं हुआ, तो सभी कर्मचारी जयपुर के जलमहल में जलसमाधि लेने को मजबूर होंगे।

राजस्व टीम की बड़ी कार्रवाई, खजूरी में खुला खेत का रास्ता

नायब तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व व पुलिस टीम ने हटाया अतिक्रमण

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर/खजूरी। ग्राम खजूरी में राजस्व विभाग की बड़ी कार्रवाई के तहत किसान हरि प्रकाश राव के खेत तक जाने वाले रास्ते से अतिक्रमण हटाकर मार्ग को बहाल कर दिया गया। तहसीलदार जहाजपुर के निर्देश पर गठित राजस्व टीम ने पुलिस प्रशासन के सहयोग से मौके पर पहुंचकर कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

कार्रवाई नायब तहसीलदार खजूरी के नेतृत्व में की गई। टीम में भू-अभिलेख निरीक्षक अशोक कुमार धाकड़, पटवारी आदर्श कुमार मीणा, पटवारी नारायण लाल धाकड़ एवं पटवारी निरंजन कुमार महावर शामिल रहे। पुलिस जाब्ते की मौजूदगी में पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई।

लंबे समय से रास्ते को लेकर चली आ रही समस्या के समाधान

के बाद हरि प्रकाश राव को अपने खेत तक निर्बाध आवागमन की सुविधा मिल गई है। मार्ग खुलने से कृषि कार्यों में आने वाली बाधा भी दूर हो गई है।

ग्रामीणों ने प्रशासन की त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज सार्वजनिक मार्गों को अतिक्रमण मुक्त कराने की यह कार्रवाई आमजन के हित में महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन ने भी स्पष्ट किया है कि सरकारी भूमि एवं सार्वजनिक रास्तों पर अतिक्रमण के मामलों में भविष्य में भी नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

जांगिड़ प्रीमियर लीग सीजन-8 का हुआ शानदार आगाज

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। जांगिड़ समाज के बहुप्रतीक्षित क्रिकेट टूर्नामेंट जांगिड़ प्रीमियर लीग सीजन-8 का शुभारंभ उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। टूर्नामेंट के पहले दिन खेले गए दोनों मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

दिन का उद्घाटन मुकाबला जांगिड़ कैपिटल और जांगिड़ इंडियंस के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में जांगिड़ कैपिटल ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए 29 रन से जीत दर्ज की और टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की।

वहीं दिन का दूसरा मुकाबला जांगिड़ वॉरियर्स और जांगिड़ सुपर जायंट्स के बीच खेला गया। इस मैच में जांगिड़ वॉरियर्स ने शानदार बल्लेबाजी और सटीक गेंदबाजी के दम पर 22 रन से जीत हासिल कर महत्वपूर्ण अंक अपने नाम किए।

टूर्नामेंट के पहले ही दिन खिलाड़ियों में जबरदस्त जोश और प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। दर्शकों ने भी बड़ी संख्या में पहुंचकर मैचों का आनंद लिया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

जेपीएल सीजन-8 के अंतर्गत प्रतिदिन दो मुकाबले खेले जाएंगे, जिससे आने वाले दिनों में और भी रोमांचक मैच देखने को मिलेंगे। आयोजकों ने सभी क्रिकेट प्रेमियों से टूर्नामेंट में पहुंचकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने की अपील की है।

गौचर बचाओ फाउंडेशन की जिला कार्यकारिणी घोषित

स्मार्ट हलचल

गुरला। भीलवाड़ा गौचर बचाओ फाउंडेशन के संगठनात्मक विस्तार एवं गौचर, चारागाह, वन, जल स्त्रोत एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्यों की प्रभावी पूर्ति हेतु प्रदेश संयोजक लक्ष्मी कुमारी एडवोकेट द्वारा राष्ट्रीय संयोजक गौटू सिंह मंगलपुरा की सहमति से भीलवाड़ा जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। घोषित कार्यकारिणी में उदय लाल बोराना एडवोकेट को जिला संयोजक, मुकेश कुमार सुथार एडवोकेट को जिला महासचिव, आरपी पटवारी एडवोकेट को जिला विधि सलाहकार तथा प्रसिद्ध यूट्यूबर एवं इन्फ्लुएसर हंसराज अठारीया को जिला प्रचारक अन्य पदों पर विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन ने विश्वास व्यक्त किया है कि नवगठित कार्यकारिणी गौचर भूमि संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं जनजागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाएगी।

मुकेश सुथार

60 वर्षों से बसे आशियानों पर यूआईटी के नोटिस से फूटा तेलीखेड़ा ग्रामीणों का गुस्सा, सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। जिले के तेलीखेड़ा गांव के ग्रामीणों ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों का आरोप है कि वे पिछले 50 से 60 वर्षों से आराजी नंबर 855 पर पक्के मकान बनाकर अपने परिवारों के साथ शांतिपूर्वक निवास कर रहे हैं। इन मकानों में नियमानुसार विद्युत कनेक्शन भी जारी हो चुके हैं। इतने दशकों में कभी भी किसी प्रशासनिक विभाग ने उन्हें अतिक्रमी नहीं माना और न ही कोई कार्रवाई की। लेकिन अब अचानक नगर विकास न्यास (यूआईटी) भीलवाड़ा द्वारा इन मकानों को अतिक्रमी बताते हुए बेदखली के नोटिस थमा दिए गए हैं, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि उनके पास सिर छुपाने के लिए इस भूमि के अलावा और कोई आशियाना या जमीन उपलब्ध नहीं है।

प्रशासन को सौंपे गए इस ज्ञापन में सोहन तेली, गोपाल लाल, नन्दराम बैरवा, नारायण तेली, श्याम लाल, रतन लाल सहित तेलीखेड़ा के समस्त ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में भी इस भूमि को नियमित करने की मांग उठाई गई थी। इस पर तत्कालीन अपर जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार तहसीलदार और नगर विकास न्यास द्वारा मौका रिपोर्ट चाही गई थी। वर्ष 2018 में पटवारी द्वारा तैयार की गई मौका पर्चा रिपोर्ट और यूआईटी की अनापत्ति में भी ग्रामीणों के पक्ष को सही माना गया था। राजस्व रिकॉर्ड में यह हिस्सा भले ही रास्ते के रूप में दर्ज हो, लेकिन मौके पर पर्याप्त चौड़ा रास्ता अलग से उपलब्ध है। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से गुहार लगाई है कि जनहित और मानवीय दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए उन्हें अपने ही घरों से बेदखल होने से बचाया जाए। साथ ही, उक्त आराजी को आवासीय व आबादी क्षेत्र में संपरिवर्तित कर नगर विकास न्यास को पट्टे जारी करने के आदेश दिए जाएं।

नही रहे बिगोद के पूर्व सरपंच श्री चांदमल व्यास

स्मार्ट हलचल

अकोला। ग्राम पंचायत बीगोद में लंबे समय तक पंचायत के माध्यम से पंचायत वासियों को की सेवाएं प्रदान करने वाले चांद मल ब्यास का रविवार को देहावसान हो गया।

नगरवासी उनके द्वारा मिली सेवाओ को सदैव याद रखेंगे।आज सोमवार को त्रिवेणी संगम स्थित मोक्षधाम पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। जिसमें परिवार जन,नागरिक,राजनेतिक पार्टी कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लेकर अंतिम विदाई दी।

मुखाग्नि पुत्र प्रेम शंकर एवं परमानंद ब्यास ने दी।

विदित रहे चांदमल ब्यास पिता मथुरा लाल ब्यास को बीगोद में ग्रामीणों ने तीन बार सरपंच बनाया। उन्होंने अपने कार्यकाल में अच्छी सेवाएं दी।

प्रथम बार सन् 1978 में सरपंच पद पर निर्वाचित हुए। फिर 1988 एवं 2001 के चुनाव में सरपंच बने।

कुछ समय से ये अस्वस्थ चल रहे थे। रविवार रात उनका निधन हो गया। ब्यास परिवार पर अचानक ब्रजपात गिर गया।आज मोक्षधाम त्रिवेणी संगम पर पहुंच कर चिरपरिचित,सगे संबंधियों एवं स्थानीय व्यक्तियों ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

2 बाल श्रमिक को मुक्त करवाया

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राजस्थान पुलिस के द्वारा बाल श्रम मुक्त हेतु चलाए जा रहे उमंग 7 अभियान के तहत त्रिवेणी चौराहे स्थित श्री शिव भोजनालय से 2 बाल श्रमिक को मुक्त करवाया गया, मुक्त करवाए गए बाल श्रमिक को बाल कल्याण समिति अध्यक्ष चंद्रकला ओझा एवं सदस्य विनोद राव के समक्ष प्रस्तुत किये गये, बाल कल्याण समिति ने बच्चों को आश्रय हेतु राजकीय किशोरगृह में रखवाया गया, अभियान के तहत कार्यवाही में मानव तस्करी विरोधी इकाई के प्रभारी सुरेंद्र सिंह राठौड़, ओम प्रकाश सैन उप निरीक्षक, ईश्वर सिंह, सहायक उप निरीक्षक, राजविंदर सिंह, कास्टेबल एवं जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक धर्मराज पतिहार के निर्देशानुसार चाइल्ड लाइन 1098 के सुपरवाइजर राधेश्याम गुर्जर, नवाचार संस्थान के रेड एंड रेस्क्यू ऑफिसर भगवत सिंह चारण ने उक्त कार्यवाही करते हुए बच्चों को बाल श्रम से मुक्त करवाया एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 काउंसलर निर्मला पुरोहित ने बच्चों की काउंसलिंग की एवं श्रम विभाग के शिवप्रसाद चौधरी, श्रम निरीक्षक ने बच्चों के बयान लिए।

नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन को नया नेतृत्व, मनमोहन प्रदेश अध्यक्ष बने

स्मार्ट हलचल

जयपुर/भीलवाड़ा। राजस्थान नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन के जयपुर में आयोजित प्रांतीय महाधिवेशन में मनमोहन सिंह शेखावत को प्रदेश अध्यक्ष एवं रामप्रसाद चौधरी को प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया गया। अधिवेशन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं स्वायत्त शासन मंत्री जाबर सिंह खर्रा मुख्य अतिथि रहे।

प्रांतीय संगठन मंत्री हरनारायण माली ने बताया कि नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष शेखावत ने कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए सदैव संघर्षरत रहने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर प्रांतीय कोषाध्यक्ष गोविंद सिंह वर्मा, जिला अध्यक्ष नंदकिशोर पारीक, शाखा अध्यक्ष विजय लोढ़ा, जिला महामंत्री उमेश पत्रिया, शाखा महामंत्री मंगलेश कुमार, नवीन बोहरा एवं श्रीकांत त्रिपाठी सहित प्रदेशभर से बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थत रहे।

अघोषित बिजली कटौती पैयजल समस्या ओर सफाई व्यवस्था की समस्या को लेकर मजदूर कांग्रेस का बनेड़ा में प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

अखिल भारतीय मजदूर कांग्रेस की और से क्षेत्र में अघोषित बिजली कटौती पैयजल समस्या सफाई व्यवस्था के सुचारू नहीं होने सहित अन्य समस्याओं को लेकर के उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

अखिल भारतीय मजदूर कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष इब्राहिम खा पठान के नेतृत्व में एसडीएम बाबु लाल को सोपे अपने ज्ञापन में बताया कि विगत कई दिनों से ब्लॉक क्षेत्र में व्याप्त बिजली की अघोषित कटौती एवं लो-वोल्टेज की समस्या , चम्बल परियोजना से पर्याप्त पानी सप्लाई नहीं होने , सभी ग्राम पंचायतों में नालीयों कि सफाई , नगरपालिका क्षेत्र में जनता व सरकारी पैसों का दुरुपयोग किया जा रहा है। साथ ही ज्ञापन में बताया कि क्षेत्र में लगातार प्रतिदिन 1 से 2 घंटे की अघोषित बिजली कटौती हो रही है। इसके साथ ही लो-वोल्टेज की

समस्या के कारण लोगों के घरेलू उपकरण खराब हो रहे हैं। भीषण गर्मी में छात्र-छात्राओं की पढ़ाई और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इस संबंध में विभागीय अधिकारियों कई बार अवगत कराया गया है। मगर समस्या जस की तस बनी हुई है। तहसील क्षेत्र कि अधिकतर ग्राम पंचायतों में चम्बल परियोजना के अन्तर्गत पीने का पानी भी बराबर नही आरहा है जीससे इस गर्मी में जनता को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। वही सड़कों पर जलभरावः नाले-नालियों के ब्लॉक (ष्द्धश्चद्म) होने से गंदा पानी रास्तों पर बहने लगता है, जिससे पैदल चलने वालों एवं वाहन चलाने वालों को काफी मुश्किल होती है।दुर्गंध और प्रदूषणः सड़ता हुआ कचरा और रुका हुआ पानी आसपास के वातावरण में बदबू फैलाता है।पीने का पानी दूषित होनाः अत्यधिक गंदगी के कारण नाली का पानी और पेयजल पाइपलाइनें आपस में मिल सकती हैं, जिससे ग्रामीणों के स्वास्थ्य का बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है।इन पारिस्थितियो में जलजनित कीटाणु बढ़ते हैं जो त्वचा रोग और अन्य संक्रमण फैला सकते हैं। कस्बे में नगरपालिका द्वारा कराए गए सौंदर्यीकरण कार्य को लेकर लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। उपखण्ड कार्यालय से घाटी के हनुमानजी रोड तक किए गए निर्माण कार्य में गंभीर लापरवाही सामने आई है, बीच सड़क लाईट के खम्भे को बीना हटाए ही सड़क निर्माण करवा दिया है। जिससे आमजन की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं। अतः इन मामले में उचित हस्तक्षेप करते हुए संबंधित विभागों को अविलंब उचित कार्रवाई के निर्देश प्रदान करें, ताकि आम जनता को इन परेशानी से राहत मिल सके। यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो आमजन को आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इस दौरान रामजस कुमावत राजेश कुमार शर्मा कल्याण मल जाट विजेन्द्र चौधरी शंकर लाल गुर्जर सहित बड़ी संख्या में महिला पुरूष उपस्थित थे।

गर्मी में जल आपूर्ति और स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर ली समीक्षा बैठक

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। गर्मी के मौसम में पेयजल, बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रखने के लिए जिला कलेक्टर श्री जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में सोमवार को पीएचईडी कार्यालय में समर कंटिन्जेंसी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पीएचईडी, स्वास्थ्य विभाग, एवीवीएनएल और नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि आमजन को पानी, बिजली और चिकित्सा सुविधा में कोई परेशानी न हो। जिला कलेक्टर ने पीएचईडी के अधिकारियों को ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समय पर पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने, खराब हैंडपंप और ट्यूबवेल की मरम्मत तेज करने को कहा। बैठक में जिला कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों में पेयजल, दवाओं और आपातकालीन व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया साथ ही अस्पतालों के लिए फायर छब्ब्, आपातकालीन व्यवस्था में, विद्युत वायरिंग की जांच और फायर सेफ्टी के उपाय तुरंत लागू करने के निर्देश दिए गए। जिला कलेक्टर ने एवीवीएनएल के अधिकारियों को सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज उच्च शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में नगर निगम को शहर की गुणवत्ता पूर्वक रूप से साफ सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए गए। जिला कलेक्टर ने कहा कि गर्मी में सभी विभाग समन्वय बनाकर काम करें और जनता को राहत पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। इस दौरान जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता धनपत राज सोनी वृत्त भीलवाड़ा, एवं परियोजना के अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार गर्ग, अधिशाषी अभियंता मयंक शर्मा, खंड शाहपुरा तथा परियोजना अधिशाषी अभियंता सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस की सख्ती से बजरी माफियाओं में खौफ

पुलिस वाहन देखते ही रास्ते में खाली की बजरी, भागते दो चालक गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

मंगरोप। ।क्षेत्र में अवैध बजरी खनन और परिवहन के खिलाफ मंगरोप थाना पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान का असर अब साफ दिखाई देने लगा है।पुलिस की सख्त एवं निष्पक्ष कार्रवाई से बजरी माफियाओं में दहशत का माहौल है।इसका ताजा उदाहरण थाना क्षेत्र के मंडपिया स्थित नदी तट पर देखने को मिला,जहां पुलिस की मौजूदगी का पता चलते ही दो ट्रैक्टर चालक बजरी से भरी ट्रॉलियां रास्ते में ही खाली कर भागने लगे।हालांकि पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के चलते दोनों आरोपियों को मौके से ही दबोच लिया गया।

थानाधिकारी विजय मीणा के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में अवैध बजरी परिवहन पर निगरानी रखे हुए थी।इसी दौरान मंडपिया नदी तट क्षेत्र में दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से अवैध

रूप से बजरी परिवहन किए जाने की सूचना मिली।पुलिस वाहन को अपनी ओर आते देख दोनों चालक घबरा गए और कार्रवाई से बचने के लिए ट्रॉलियों में भरी बजरी रास्ते में ही खाली कर फरार होने का प्रयास करने लगे।पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए पीछा किया और भाग रहे दोनों चालकों को पकड़ लिया।पूछताछ में उनकी पहचान

भेरूलाल भील पुत्र भवरलाल भील निवासी मंडफिया तथा जोधालाल भील पुत्र लक्ष्मण भील निवासी बीलिया कला के रूप में हुई।पुलिस ने दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।उनके खिलाफ एमएमडीआर एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

अवैध खनन पर लगातार कार्रवाई

मंगरोप थाना पुलिस द्वारा हाल के दिनों में अवैध बजरी खनन एवं परिवहन के खिलाफ लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।पुलिस की सक्रियता के चलते अवैध बजरी कारोबार से जुड़े लोगों में खलबली मची हुई है।क्षेत्रवासियों का कहना है कि पुलिस की सख्त निगरानी और निष्पक्ष कार्रवाई से अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगने लगा है।

कानून तोड़ने वालों को नहीं मिलेगी राहत

थानाधिकारी विजय मीणा ने कहा कि अवैध खनन और बजरी परिवहन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।उन्होंने आमजन से भी अवैध गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने की अपील की,ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष मार्गदर्शन अभियान चलाएगा - विप्र फाउंडेशन

जुलाई में होगा टॉपर्स सम्मान समारोह, सफल अधिकारी देंगे निःशुल्क मार्गदर्शन

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

विप्र फाउंडेशन के शिक्षा, रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षा प्रकोष्ठ द्वारा समाज के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं एवं रोजगार के क्षेत्र में नई दिशा देने के उद्देश्य से रविवार को माली कॉलोनी स्थित महर्षि गौतम अकादमी में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए व्यापक कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त मुख्य श्रम आयुक्त एस.सी. जोशी ने कहा कि जीवन के विभिन्न चरणों- स्कूली शिक्षा, स्नातक, स्नातकोत्तर और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अलग-अलग रणनीति बनाकर तैयारी करने से ही बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। उन्होंने लक्ष्य निर्धारण, समय प्रबंधन और निरंतर अध्ययन को सफलता का मूल मंत्र बताया।

अति विशिष्ट अतिथि एवं सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता मधुसूदन पालीवाल ने वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को सफलता की कुंजी बताते हुए युवाओं को रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों की ओर ध्यान देने की सलाह दी। शिक्षाविद सत्यप्रकाश त्रिवेदी ने विद्यार्थियों में अनुशासन, सकारात्मक सोच और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति विकसित करने पर बल दिया। प्रसिद्ध उद्यमी रोहित पांडे ने कहा कि निजी क्षेत्र और उद्यमिता में भी करियर की अपार संभावनाएं हैं। युवाओं को केवल सरकारी नौकरियों तक सीमित न रहकर अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप अन्य अवसरों का भी लाभ उठाना चाहिए।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए विप्र फाउंडेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य एवं शिक्षा, रोजगार तथा प्रतियोगी परीक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. एच.आर. दवे ने बताया कि फाउंडेशन आगामी समय में आरएएस, आरजेएस, आईएएस सहित विभिन्न उच्च स्तरीय सेवाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए विशेष मार्गदर्शन सेमिनार आयोजित करेगा। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर समाज में फैली भ्रांतियों को दूर कर विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा और क्षमता के अनुरूप सही दिशा प्रदान करना प्रकोष्ठ की प्राथमिकता है।

डॉ. दवे ने घोषणा की कि जुलाई माह में आयोजित होने वाले विशेष सेमिनार में राज्य एवं केंद्र सरकार की प्रशासनिक, पुलिस, न्यायिक तथा अन्य प्रतिष्ठित सेवाओं में चयनित विप्र समाज के प्रतिभाशाली टॉपर्स का सम्मान किया जाएगा। ये सफल अधिकारी और अभ्यर्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को निःशुल्क मार्गदर्शन एवं परामर्श भी प्रदान करेंगे। प्रकोष्ठ के प्रदेश मीडिया प्रभारी गोपाल मेहता मेनारिया ने बताया कि रोजगार प्रभारी प्रणव जानी ने बैठक में जानकारी दी कि विद्यार्थियों के कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल एवं कंप्यूटर आधारित सर्टिफिकेट कोर्स उपलब्ध कराने हेतु एक संस्थान के साथ समझौता किया गया है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को रियायती शुल्क पर प्रशिक्षण प्राप्त होगा तथा रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकेंगे बैठक में उपस्थित समाजजन, महिला प्रतिनिधियों, युवाओं और वरिष्ठ सदस्यों ने प्रकोष्ठ की पहल की सराहना करते हुए सहयोग, मार्गदर्शन और अनुभव साझा करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश सचिव गणेश नागदा ने किया तथा अंत में राजेश पालीवाल ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

बैठक में अनुराग शर्मा, गोपाल मेहता मेनारिया, प्रभास शांडिल्य, हेमंत आमेटा, जयप्रकाश श्रीमाली, दिनेश शुक्ला, नीरज नागदा, भावेश भार्गव, प्रदीप गर्ग, मनीष तिवारी, प्रेम ओदिच्य, शरद भारद्वाज, विनीता भारद्वाज, सुनील, शिक्षाविद विजय सारस्वत, रोहित चौबीसा सहित अनेक गणमान्य समाज बंधु उपस्थित रहे।

दाता का खेड़ा में चारागाह भूमि पर अवैध कब्जों से ग्रामीण परेशान

प्रशासन से कार्रवाई की मांग

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

जिले के पुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम दाता का खेड़ा (पोस्ट-सेतुरिया) में चारागाह भूमि पर हो रहे अवैध कब्जों को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि गांव में लगभग 200 बीघा चारागाह भूमि आवंटित है, जिसमें से 100 बीघा से अधिक भूमि पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है।

ग्रामीणों का कहना है कि कब्जाधारियों को कई बार समझाने और पंचायत स्तर पर प्रयास करने के बावजूद उन्होंने भूमि खाली नहीं की। इसके कारण गांव में पशुओं के चरने के लिए उपलब्ध भूमि लगातार कम होती जा रही है, जिससे पशुपालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार चारागाह भूमि पर खेती और अन्य गतिविधियां किए जाने से पशुओं के लिए चारे की समस्या उत्पन्न हो गई है। गांव के पशुपालकों का कहना है कि पशुओं के दैनिक पालन-पोषण और चराई के लिए पर्याप्त भूमि नहीं बची है, जिससे उनकी आजीविका भी प्रभावित हो रही है।

इस संबंध में ग्रामीणों द्वारा पूर्व में भी कई बार प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से अवैध कब्जों को तत्काल हटाने और चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। उनका कहना है कि चारागाह भूमि गांव की सामुदायिक संपत्ति है और इसका संरक्षण प्रशासन की जिम्मेदारी है। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अवैध कब्जों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने तथा चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है।

डाइट डूंगरपुर के अधिकारियों ने जानी डाइट उदयपुर की गतिविधियां

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

डाइट की वार्षिक कार्य योजना सत्र 2026-27 की अनुमोदित गतिविधि अंतरजिला डाइट अवलोकन के तहत आज डाइट डूंगरपुर के अधिकारियों के एक दल ने प्रधानाचार्य लक्ष्मीकांत चौबीसा के नेतृत्व में डाइट उदयपुर का अवलोकन किया।

डाइट उदयपुर की प्रिंसिपल शीला काहाल्या के अनुसार इस दौरान संस्थान के योजना एवं प्रबंधन प्रभाग की प्रभागाध्यक्ष डॉ मृदुला तिवारी द्वारा दल के सदस्यों को डाइट उदयपुर के विभिन्न प्रभागों की गतिविधियों से अवगत कराया गया।

डीएलएड कक्षों का अवलोकन कर प्रधानाचार्य डूंगरपुर ने छात्रों से संवाद भी किया उन्होंने एआई के उपयोग के बारे में बताया, साथ ही स्मार्ट बोर्ड का उपयोग अध्यापन में किस तरीके से किया जा रहा है इस पर भी प्रश्नोत्तर किए।

डाइट उदयपुर द्वारा प्रत्येक कार्यक्रम का मीडिया कवरेज और उसका संकलन देखकर वे अभिभूत हुए, साथ ही साथ डब्ल्यूई की व्यावसायिक लैब एवं इक्कीसवीं सदी के कौशल संबंधी प्रयोगशाला व स्वच्छ परिसर को देखकर प्रशंसा भी की।

इस मौके पर डाइट डूंगरपुर के 6 सदस्यीय दल ने पुस्तकालय , डीएलएड छात्रों की कक्षा कक्षीय गतिविधियों,शैक्षिक प्रोद्योगिकी, सेवारतप्रभाग, सेवा पूर्व प्रभाग, सीएमडीई, कार्यानुभव प्रभाग के साथ पी एंड प्रभाग की जानकारी ली। दल में प्रधानाचार्य लक्ष्मीकांत चौबीसा के अतिरिक्त दीपक चौबीसा,धर्मेश कुमार जैन, राजेश कुमार चौबीसा,रितेश कुमार पंड्या शामिल थे। यहां से दल के सदस्य डाइट माउंट आबू के लिए रवाना हुए।

सबको साथ लेकर समाज का विकास करना ही पद की सार्थकता- संत दिग्विजय राम

माहेशवरी युथ सोसायटी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

स्मार्ट हलचल | निंबाहेड़ा

माहेश्वरी युथ सोसायटी निंबाहेड़ा का नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह राम स्नेही संप्रदाय के दिग्विजय रामजी महाराज के मुख्य आतिथ्य मे आदर्श कॉलोनी स्थित महेश एजुकेशन एण्ड चेरीटेबल ट्रस्ट के भवन मे रविवार सांयय संपन्न हुआ। सर्वप्रथम संत दिग्विजय राम व मंचासिन अतिथियों द्वारा भगवान महेश की प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मंचासीन अतिथियों एवं समाजजनों द्वारा संत दिग्विजय राम का स्वागत सत्कार किया गया। इसके उपरांत युथ सोसायटी की नई कार्यकारिणी का समाज अध्यक्ष उमेश तोतला व उनकी कार्यकारिणी द्वारा अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर समाज के आगामी महेश नवमी के कार्यक्रम के पोस्टर का संत एवं मंचासीन अतिथियों द्वारा वामोचन भी किया गया। संत ने शपथ ग्रहण से पूर्व शपथ ले रहे पदाधिकारियों को समाज को एकजुट रखने व समाज के विकास के लिए सभी को साथ लेकर चलने का आह्वान किया। उन्होने अपने प्रवचन मे कहा कि माहेश्वरी समाज जहां भारत की जीडीपी बढ़ाने मे सबसे अग्रणी है वही धार्मिक कार्यो मे भी सबसे आगे है। संत ने दुसरो के हित के समान कोई धर्म नही होना बताया साथ ही जो दुसरो का हित करता है उसका स्वयं ही कल्याण हो जाता है। उन्होने समाज मे वर्तमान परिपेक्ष मे कमियों पर चेतावनी देते हुए कहा कि यही स्थिति रही तो सारे भवन खंडहर हो जाएंगे। कोई इन्हे देखने वाला नही मिलेगा इस पर चिंतन की जरूरत है। इसके उपरांत उन्होने माहेश्वरी युथ सोसायटी अध्यक्ष मनीष सोनी एवं उनकी कायकारिणी को समाज सेवा हेतु शपथ दिलाई। इस अवसर पर समाज के जिला अध्यक्ष नानालाल भूतड़ा, तहसील अध्यक्ष शिवनारायण धुप्पड़, तहसील युवा अध्यक्ष कन्हैया माहेश्वरी, समाज अध्यक्ष उमेश तोतला, महिला मंडल अध्यक्ष कृष्णा जेतलिया, समाज के पुरूषोत्तम झंवर, सत्यनारायण मुंदड़ा, रामपाल काबरा, शोभागमल चंण्डक, कृष्ण गोपाल काबरा, श्याम सोनी सहित बड़ी संख्या मे समाजजन उपस्थित थे।

गंगापुर में भव्य शोभायात्रा के साथ भागवत कथा 9 जून से प्रारंभ

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। नगर में 9 जून मंगलवार से 15 जून तक आयोजित होने वाले सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा महोत्सव की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। कथा का वाचन मध्यप्रदेश के निनोरा धाम के प्रसिद्ध कथावाचक पंडित मिथिलेश नागर द्वारा किया जाएगा।

बैठक में कथा महोत्सव के सफल आयोजन को लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। आयोजन समिति के सदस्य छोटूलाल माली ने बताया कि मंगलवार सुबह 9 ,15 बजे पंच तीर्थ बालाजी मंदिर से भव्य कलश यात्रा का शुभारंभ होगा। कलश यात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से होकर कथा स्थल महेश्वरी सेवा संस्थान पहुंचेगी। कलश यात्रा के दौरान शहर के मुख्य चौराहों पर स्वागत द्वार सजाए जाएंगे तथा श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर कलश यात्रा का स्वागत किया जाएगा।

सात दिवसीय कथा के सुचारू संचालन के लिए कथा स्थल व्यवस्था,भोजन एवं आवास, जल सेवा,पार्किंग तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु अलग-अलग कार्यकर्ता टीमों का गठन कर जिम्मेदारियां सौंपी गईं। कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। आयोजन समिति द्वारा आसपास के गांवों से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन एवं ठहरने की विशेष व्यवस्था भी की गई है।

बैठक में आदित्य मंडोवरा, रामसहाय मुंडदा,मुकेश माली, किशन माली, बलराम शर्मा, सुरेश भदादा, सुरेश तिवारी, कैलाश माली, राजेंद्र माली, विनोद पिछोलिया, अशोक सोमानी, रामप्रसाद माली, जगदीश गहलोत, सुनील माली, विनोद लढ़ा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बेगूं चिकित्सालय की अव्यवस्थाओं को लेकर जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

डॉक्टरों की अनियमित उपस्थिति, जनता क्लिनिक व्यवस्था प्रभावित होने का आरोप

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

बेगूं विधानसभा क्षेत्र के सबसे बड़े राजकीय चिकित्सालय में व्याप्त कथित अनियमितताओं एवं अव्यवस्थाओं को लेकर जिला कलेक्टर चित्तौड़गढ़ को ज्ञापन सौंपकर जांच एवं आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई है।

ज्ञापन में बताया गया कि राजकीय चिकित्सालय बेगूं क्षेत्र के ग्रामीण एवं शहरी इलाकों के हजारों लोगों के लिए प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र है, जहां बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। इसके बावजूद अस्पताल में व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर शिकायतें सामने आ रही हैं, जिससे आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि चिकित्सालय में स्थायी रूप से नियुक्त कई चिकित्सकों की नियमित उपस्थिति नहीं रहती। कुछ चिकित्सकों के सप्ताह में सीमित दिनों तक ही अस्पताल आने तथा ड्यूटी व्यवस्था में अनियमितता बरतने की शिकायत की गई है। मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित चिकित्सकों की उपस्थिति एवं मोबाइल लोकेशन की जांच कराने की मांग भी की गई है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि चिकित्सकों की कमी को पूरा करने के लिए जनता क्लिनिक में कार्यरत डॉक्टरों को मुख्य चिकित्सालय बेगूं में लगाया जा रहा है। इससे जनता क्लिनिक का मूल उद्देश्य प्रभावित हो रहा है तथा वहां पहुंचने वाले मरीजों को चिकित्सकीय सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं। परिणामस्वरूप मरीजों को मुख्य चिकित्सालय का रुख करना पड़ रहा है, जिससे अस्पताल में भीड़ बढ़ रही है और लंबी कतारों का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञापन में आरजीएचएस (राज-स्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम) के लाभार्थियों के लिए भी पृथक व्यव-स्था नहीं होने की बात कही गई है। इससे वरिष्ठ नागरिकों एवं अन्य पात्र लाभार्थियों को भी सामान्य मरीजों के साथ लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता है।

ज्ञापनकर्ताओं ने जिला प्रशासन से राजकीय चिकित्सालय बेगूं का संघन निरीक्षण कराने, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं की समीक्षा करने तथा दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार कर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता भी जताई गई।

9 जून को विशेष शिविरों का होगा आयोजन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के सफल 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 9 जून 2026 को जिलेभर के चिकित्सा संस्थानों में विशेष पीएमएसएमए शिविरों का आयोजन किया जाएगा। भारत सरकार के निर्देशानुसार '10 Years of PMSMA' थीम के तहत आयोजित होने वाले इन शिविरों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी तथा सुरक्षित मातृत्व के प्रति व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि जिले के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, उप जिला चिकित्सालयों, जिला चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज एवं अन्य चिकित्सा संस्थानों में विशेष पीएमएसएमए सत्र आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में गर्भवती महिलाओं की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य जांच, आवश्यक परामर्श, उच्च जोखिम गर्भावस्था की पहचान एवं समयबद्ध उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

दूधिया रोशनी में क्रिकेट का रोमांच, बीआरडी 11 ने जीता खिताब

स्मार्ट हलचल | निम्बाहेड़ा

नगर के कॉलेज ग्राउंड में दूधिया रोशनी के बीच आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का रविवार को उत्साहपूर्ण माहौल में समापन हो गया। प्रतियोगिता में निम्बाहेड़ा-छोटीसादड़ी विधानसभा क्षेत्र की 12 टीमों के लगभग 160 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों और दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अशोक नवलखा रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा नगर अध्यक्ष कपिल चौधरी ने की। समारोह में पूर्व नगर अध्यक्ष नितिन चतुर्वेदी, पूर्व जिला महामंत्री सोहनलाल आंजना, नगर महामंत्री निलेश मेहता तथा भाजयुमो नगर महामंत्री डॉ. आशीष टांक सहित कई गणमान्यजन मौजूद रहे। आयोजन समिति द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया तथा खिलाड़ियों का परिचय करवाया गया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक अशोक नवलखा ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और व्यक्तित्व विकास का सशक्त आधार हैं। उन्होंने युवाओं से खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं।

आबकारी आयुक्त ने अनियमितता पर 3 को किया निलंबित

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने सीकर में राजस्थान स्टेट गंगानगर शुगर मिल्स के डिपो में अनियमितता के प्रकरण में आरएसजीएसएम महाप्रबंधक जयपुर की रिपोर्ट पर 3 कार्मिकों को निलंबित किया है। कार्रवाई के तहत नवीन कुमार आबकारी निरीक्षक ग्रेड द्वितीय प्रभारी मदिरालय आरएसजीएसएम सीकर, नाहर सिंह सहायक प्रशासनिक अधिकारी मदिरालय आरएसजीएसएम सीकर एवं दुर्गाप्रसाद गुर्जर सिपाही मदिरालय आरएसजीएसएम सीकर को निलंबित किया है। निलंबन काल में इन कार्मिकों का मुख्यालय उदयपुर रहेगा।

सच्चे सद्गुरु की शरण से परमात्मा की प्राप्ति -सन्त ग्यारसीलाल

मांडलगढ़ के धामनियां ग्राम में निरंकारी सत्संग आयोजित

स्मार्ट हलचल | मांडलगढ़

उपखंड क्षेत्र की धामनिया ग्राम पंचायत सर्किल के बंजारों का झुपड़ा ग्राम में निरंकारी सत्संग का आयोजन महात्मा पप्पू बंजारा के आवास पर किया गया। सत्संग का आयोजन भीलवाड़ा मुखी व ब्रह्मज्ञानी सन्त श्री ग्यारसीलाल जी महात्मा के सानिध्य में हुआ। उन्होंने ने उपस्थित सन्तो को सम्बोधन में कहा कि परमात्मा की प्राप्ति के लिए सच्चे सदगुरू की शरण की याए आवश्यकता है ओर वे ही निरंकार के रूप में हर जगह व्याप्त प्रभु के दीदार करवाकर जीवन की नैया पार करवा सकते है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सदुरु माता सुदीक्षा जी महाराज द्वारा सन्तो का मार्गदर्शन कर उन्हें जीवन जीने की प्रेरणा प्रदान की जा रही है व उनके जीवन का कल्याण किया जा रहा है। महात्मा ग्यारसीलाल जी ने कहा कि सच्चे सतुगुरु अंधकार से उझाले की ओर सन्तो को ले जाकर उनका भविष्य सवारते है। उन्होंने बताया कि सतुगुरु न केवल सही मार्ग दिखाता है, बल्कि भटकी हुई आत्मा को मंजिल तक पहुंचाने का कार्य भी करता है। उनके अनुसार, सद्गुरु सर्व समर्थवान होता है और उसके समान कोई दूसरा दाता नहीं होता।

सत्संग में आसपास के गांवों से आए सन्तो ने भजन,गीत,विचार प्रस्तुत कर उपस्थित सन्तो का मार्गदर्शन किया। सत्संग में बड़ी संख्या में आसपास के गांवों के श्रद्धालओं ने भाग लिया। इस दौरान महात्मा सुखदेव,राजकुमार,रामप्रसाद महात्मा, शंकरलाल सहित अन्य संतगण मौजूद रहे।

मांडलगढ़ में 'गौ सेवा परमार्थ अखंड भारत पदयात्रा' का भव्य स्वागत, उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

12 ज्योतिर्लिंग, 4 धाम और 51 शक्तिपीठों की परिक्रमा पर निकली है ऐतिहासिक यात्रा

स्मार्ट हलचल

मांडलगढ़। गौ सेवा, राष्ट्र कल्याण और सनातन संस्कृति के संवर्धन के संकल्प के साथ देशव्यापी भ्रमण पर निकली 'गौ सेवा परमार्थ यात्रा' के मांडलगढ़ क्षेत्र में पहुंचने पर श्रद्धालुओं द्वारा भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया गया। इसके अंतर्गत संचालित '12 ज्योतिर्लिंग, 4 धाम एवं 51 शक्ति पीठ अखंड भारत पदयात्रा' निरंतर अपने पथ पर अग्रसर है। यात्रा के होडा ग्राम पहुंचने पर सेन समाज के पदाधिकारियों, मातृशक्ति और स्थानीय ग्रामीणों ने पलक-पावड़े बिछाकर अगवानी की और संतों व पदयात्रियों पर जमकर पुष्पवर्षा की।

15 वर्षों का महासंकल्प: 2038 में आदि कैलाश पर होगा समापन

यह अलौकिक और कठिन पदयात्रा 22 मई 2023 को प्रारंभ हुई थी। पदयात्रियों के अनुसार, देश के सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों और शक्तिपीठों की परिक्रमा करती हुई यह यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है। इस महायात्रा का भव्य समापन आगामी 22 मई 2038 को मानसरोवर एवं आदि कैलाश में होगा। वहां 13 लाख 'ओम नमः शिवाय' महामंत्र के सामूहिक जाप के साथ इस 15 वर्षीय अखंड यात्रा की पूर्णाहुति की जाएगी। यात्रा का मुख्य उद्देश्य देश में गौ माता के संरक्षण के प्रति चेतना जगाना और अखंड भारत की सुख-समृद्धि की कामना करना है।

होडा ग्राम में सेन समाज ने किया अगवानी, मातृशक्ति रही मौजूदः

यात्रा के होडा ग्राम पहुंचने पर धार्मिक माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर सेन समाज मंदिर त्रिवेणी कमेटी के अध्यक्ष कैलाश चंद्र सेन, कोषाध्यक्ष नन्द लाल सेन, प्रहलाद सेन, धन्ना लाल सेन, एडवोकेट जमना लाल सेन, श्याम लाल सेन, सत्यनारायण सेन, शांति लाल सेन, राधेश्याम सेन, फतेह लाल सेन, योगेश सेन, भगवती लाल सेन, मिट्ठू लाल सेन तथा दुर्गेश सेन सहित समाज के कई प्रबुद्ध बंधुओं, युवाओं और बड़ी संख्या में महिलाओं ने आरती उतारकर व माला पहनाकर यात्रियों का स्वागत किया और धर्मलाभ कमाया।

राजस्थान आचार्य ब्राह्मण समाज विकास समिति के प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव 14 को

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। राजस्थान आचार्य ब्राह्मण समाज विकास समिति के चुनाव 14 जून को सनवाड, उदयपुर में होंगे । कोटड़ी निवासी आचार्य ब्राह्मण समाज भीलवाड़ा के जिलाध्यक्ष श्रीकल्याण आचार्य ने बताया कि उदयपुर के सनवाड़ मुख्यालय पर 7 जून रविवार को कला भवन में राजस्थान आचार्य ब्राह्मण समाज विकास समिति की चुनाव प्रक्रिया पूरी की गई । जिसमे उदयपुर, राजसमंद, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़ व भीलवाड़ा जिलों की उप समितियां बनाकर मतदाता सूची तैयार कर मतदान केंद्र पर चस्पा की गई । कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोग उत्साह के साथ मौजूद रहे । समाज के प्रबुद्ध जनों ने मीटिंग कर प्रदेश के वरिष्ठ राजस्थान आचार्य ब्राह्मण समाज विकास समिति चुनाव अपडेट के लिए चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए गए है । 14 जून रविवार को सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक प्रत्यक्ष मतदान होगा और उसी दिन मतगणना के बाद विजेता की घोषणा होगी । मतदान मतदाता सूची के आधार पर होगा, जिसमें नाम है वही वोट कर पाएंगे । मुख्य चुनाव अधिकारी, चुनाव मंडल और निजी सहायक पूरी प्रक्रिया संभालेंगे।

राष्ट्रीय पशुपालक संघ एवं टीएनटी संघर्ष समिति का बूंदी जिला कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन, मुख्यमंत्री का फूंका पुतला

स्मार्ट हलचल | बूंदी

जिले में सोमवार को डीएनटी (डीनोटिफाइड, घुमंतू एवं अर्धघुमंतू) समाज, वंचित ओबीसी, एससी और एसटी वर्गों की ओर से चल रहे आंदोलन ने नया मोड़ ले लिया। राष्ट्रीय पशुपालक संघ, डीएनटी संघर्ष समिति एवं मूल ओबीसी महापंचायत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जेल भरो आंदोलन में सैकड़ों लोगों ने भाग लेते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। आंदोलनकारियों ने मुख्यमंत्री के खिलाफ नाराजगी जताते हुए उनका पुतला भी फूंका तथा चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन पूरे प्रदेश में और अधिक उग्र रूप धारण करेगा।

आंदोलन की शुरुआत पुरानी कृषि उपज मंडी यार्ड में आयोजित विशाल सभा से हुई, जहां विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों और समाज के प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। सभा के बाद बड़ी संख्या में लोग रैली के रूप में कलेक्ट्रेट की ओर रवाना हुए। हाथों में बैनर और तख्तियां लिए प्रदर्शनकारी लगातार नारेबाजी करते रहे। कलेक्ट्रेट गेट पर भारी पुलिस बल तैनात होने के कारण प्रदर्शनकारी परिसर में प्रवेश नहीं कर सके। बाद में प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया।

सभा को संबोधित करते हुए डीएनटी संघर्ष समिति के अध्यक्ष लालजी राईका ने कहा कि यह आंदोलन अब किसी एक जिले तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राजस्थान के हर जिले में पहुंचेगा और अंततः 1 जुलाई को जयपुर में प्रस्तावित महापड़ाव के रूप में परिणत होगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'हम 10 प्रतिशत अलग आरक्षण लेकर रहेंगे। यह हमारा संवैधानिक और सामाजिक अधिकार है, जिसे किसी भी कीमत पर हासिल किया जाएगा।'

राईका ने बताया कि आंदोलन का मुख्य उद्देश्य डीएनटी समाज की 11 सूत्रीय मांगों को पूरा करवाना है। इनमें सबसे प्रमुख मांग डीएनटी समाज के लिए अलग से 10 प्रतिशत आरक्षण की है। उन्होंने दावा किया कि इस संबंध में रेनके आयोग और ईदाते आयोग भी सिफारिश कर चुके हैं। साथ ही आरक्षण के उपवर्गीकरण को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि अति पिछड़े वर्गों को उनका वास्तविक हक मिलना चाहिए। इसके अलावा डीएनटी समाज के लिए राजनीतिक भागीदारी, आवासीय पट्टे, भूमि आवंटन और शिक्षा सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की मांग भी उठाई गई। उन्होंने सरकार के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखते हुए कहा कि दूसरे दौर की वार्ता मुख्यमंत्री स्तर पर होनी चाहिए, 5 दिसंबर को हुई पहली वार्ता के बाद सरकार ने अब तक कोई स्पष्ट समाधान नहीं बताया है तथा वार्ता की अगली तिथि और समय तुरंत घोषित किया जाना चाहिए।

डीएनटी संघर्ष समिति के सह-अध्यक्ष रतननाथ कालबेलिया ने कहा कि यह संघर्ष पिछले दो वर्षों से लगातार जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि बालराई (पाली) में हुए महापड़ाव के बाद सरकार ने तीन महीने में समाधान का भरोसा दिया था, लेकिन पांच महीने बीत जाने के बावजूद कोई ठोस पहल नहीं हुई। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारियों पर मुकदमे दर्ज करना और लोगों को जेल भेजना सरकार की दमनकारी नीति को दर्शाता है। इसी के विरोध में अब व्यापक स्तर पर जेल भरो आंदोलन चलाया जा रहा है।

वहीं कालूराम योगी ने कहा कि अब इस आंदोलन में वंचित ओबीसी, वंचित एससी और वंचित एसटी वर्ग भी बड़ी संख्या में शामिल हो चुके हैं। उनका कहना था कि आरक्षण का उपवर्गीकरण समय की मांग है, जिससे सभी वर्गों को शिक्षा, रोजगार और राजनीति में समान अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लगभग 150 समाज इस आंदोलन के समर्थन में खड़े हैं और सामाजिक न्याय की इस लड़ाई को निर्णायक मुकाम तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। राष्ट्रीय पशुपालक संघ के जिलाध्यक्ष कन्हैया लाल राईका और युवा अध्यक्ष भरत सराधना ने भी आंदोलन को तेज करने का आह्वान करते हुए कहा कि जब तक समाज को उसका अधिकार नहीं मिलता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। प्रदर्शन के बाद बड़ी संख्या में आंदोलनकारियों ने प्रतीकात्मक गिरफ्तारी भी दी।

आंदोलन में ज्ञान सिंह कालावत, भीखू सिंह राईका, ललिता गाड़िया लुहार, पूजा गाड़िया लुहार, विनोद रेबारी, अर्जुन लाल रेबारी, छोटूलाल रेबारी, सत्यनारायण रेबारी सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। आंदोलनकारियों का दावा है कि जैसलमेर से जयपुर तक चलने वाला यह अभियान वंचित वर्गों को एकजुट कर सरकार पर दबाव बढ़ाएगा और सामाजिक न्याय की लड़ाई को नई दिशा देगा।

पंचायती राज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन ने कलक्टर को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | बूंदी

पंचायती राज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन ने जिलाध्यक्ष हेमराज सोनी के नेतृत्व मे मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन जिला कलक्टर को सौंपा कर विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की। हेमराज सोनी ने बताया की विगत दो वर्षों से पंचायती राज विभाग द्वारा संस्थाओं के मंत्रालयिक संवर्ग के 16 हजार कर्मचारियों के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया हुआ है।

उनके नैसर्गिक न्याय की मांगों को भी कनिष्ठ लिपिक भर्ती 2013 की जांच के नाम पर लंबित किया हुआ है। ऐसा किसी संवर्ग में आज तक नही देखा गया कि किसी भर्ती के नाम पर कर्मचारियों की मांगों पर विचार ही नही किया गया हो। प्रदेश स्तर से आंदोलन हेतु कलेन्डर जारी किया गया है। जिसमे प्रति दिन पृथक पृथक गतिवितिध्यो के माध्यम से राज्य सरकार का ध्यानआकर्षण किया जावेगा। फिर भी अगर सरकार ने मांगे नहीं मानी तो प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर आगे की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

इस दौरान संगठन संरक्षक भरत सिंह, मनोज सोनी, मुस्तकीम, सरलाल गुर्जर, मुकेश सीसोदिया, प्रेमशंकर रघुवीर सुमर, लोकेश गोतम, रामप्रसार गौचर, कृष्णकांत शर्मा, भागीरथ चोधरी रामदेव बैरवा नेनवा, जीवेश सोनगरा, कालूलाल मीणा, देवेन्द्र बलाई, लाडबाई मीणा, महेश शर्मा, नरेन्द्र आमेरा, विनोद माथूर, सुरेन्द्र वर्मा आदि मौजूद रहे।

सेवा, नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास के संकल्प के साथ संपन्न हुई जेसीआई कोटा अचीवर्स की बोर्ड मीटिंग

युवाओं को नेतृत्व प्रशिक्षण से मिलती है सफलता की नई दिशा : सीए प्रीतम गोस्वामी

स्मार्ट हलचल | कोटा

युवा नेतृत्व, व्यक्तित्व विकास एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय जेसीआई कोटा अचीवर्स की अर्द्ध वार्षिक जनरल बोर्ड मीटिंग उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। 21 से 31 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की इस संस्था की बैठक में सदस्यों की उल्लेखनीय भागीदारी रही तथा आगामी योजनाओं पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष अक्षत बाबरिया जैन ने संस्था द्वारा गत छह माह में संचालित गतिविधियों एवं उपलब्धियों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि संगठन ने एचआईवी प्रभावित बच्चों सहित जरूरतमंद परिवारों को राशन वितरण, भीषण गर्मी के दौरान सड़क एवं फुटपाथ पर कार्यरत वेंडरों को स्टील की पानी की बोतलों का वितरण तथा अन्य अनेक जनसेवा प्रकल्प सफलतापूर्वक संचालित किए हैं।

उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में आयोजित होने वाली राजस्थान जेसीआई मिडकॉन कॉन्फ्रेंस में जेसीआई कोटा अचीवर्स के 25 सदस्य भाग लेंगे, जहां उन्हें नेतृत्व विकास एवं व्यक्तित्व निर्माण से संबंधित विभिन्न प्रशिक्षण प्राप्त होंगे। उन्होंने आगामी छह माह में आयोजित किए जाने वाले समाजसेवी एवं कौशल विकास कार्यक्रमों के लिए सदस्यों से सुझाव भी आमंत्रित किए।

सचिव प्रीति लड्डा ने संगठन की प्रशासनिक गतिविधियों एवं भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि सह-कोषाध्यक्ष रचित जैन ने संस्था का आय-व्यय विवरण सदन के समक्ष रखा। बैठक में विभिन्न विभागों एवं प्रोजेक्ट डायरेक्टर्स ने अपने-अपने प्रकल्पों की प्रगति रिपोर्ट एवं भविष्य की कार्ययोजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया।

मुख्य अतिथि सीए प्रीतम गोस्वामी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाज सेवा और नेतृत्व विकास के माध्यम से राष्ट्र को सक्षम, जागरूक एवं जिम्मेदार युवा नेतृत्व प्रदान किया जा सकता है। उन्होंने जेसीआई द्वारा प्रदान किए जाने वाले नेतृत्व प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ऐसे प्रशिक्षण जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आत्मविश्वास, संवाद कौशल और निर्णय क्षमता को सुदृढ़ बनाते हैं। उन्होंने जेसीआई के उद्देश्यों एवं मूल्यों की जानकारी देते हुए संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं व्यक्तित्व विकास संबंधी कार्यों की सराहना की।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने किया कनवास क्षेत्र का दौरा

जनसहभागिता से गांवों को स्वच्छ बनाने का दिया संदेश

स्मार्ट हलचल

सांगोद। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर रविवार को कनवास क्षेत्र के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के मामोर, लोढाहेड़ा, धूलेट, दांता और बांस्याहेड़ी सहित कई गांवों का निरीक्षण किया। मंत्री नागर ने गांवों में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया, ग्रामीण रास्तों की स्थिति देखी और ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी जन समस्याएं सुनीं। उन्होंने मौके पर ही मौजूद अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निस्तारण के कड़े निर्देश दिए।

ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि आप सभी केवल 8 दिन अपने गांव की सफाई के लिए समर्पित कर दें। इसके बाद महीने में सिर्फ एक दिन हम सभी मिलकर एक बड़ा सफाई अभियान चलाएंगे। ऐसा करने से हमारे गांव पूरी तरह साफ हो जाएंगे और कचरे का नामोनिशान मिट जाएगा। यह काम अकेले सरकार का नहीं, बल्कि जनसहभागिता से ही संभव है।

उन्होंने देश के प्रधानमंत्री का उदाहरण देते हुए कहा कि जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए स्वयं हाथों में झाड़ू थाम सकते हैं, तो हमें अपने ही गांव को साफ करने में कोई शर्म या झिझक नहीं होनी चाहिए। स्वच्छता हम सबकी पहली जिम्मेदारी है।

पॉलिथीन मुक्त गांव का संकल्प: हर घर को मिलेंगे दो डस्टबिन

निरीक्षण के दौरान नालियों में फंसी पॉलिथीन को देखकर मंत्री नागर ने गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने ग्रामीणों को समझाते हुए कहा कि नालियों में पड़ी पॉलिथीन को अक्सर बेसहारा गाएं खा लेती हैं, जिससे उनकी अकाल मृत्यु तक हो जाती है। यह एक गंभीर पाप है, जिससे हमें बचना होगा। गांवों को कचरा मुक्त बनाने के लिए उन्होंने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि क्षेत्र के हर घर में दो-दो डस्टबिन (कूड़ेदान) दिए जाएंगे। ग्रामीणों को इसमें गीला और सूखा कचरा अलग-अलग डालना होगा। जब कचरा संग्रहण गाड़ी गांव में आए, तो दोनों तरह का कचरा अलग-अलग ही गाड़ी में डालना सुनिश्चित करें ताकि उसका सही निस्तारण हो सके।

लापरवाही पर होगी कार्रवाई, अच्छा काम करने वाले ग्राम सचिव होंगे पुरस्कृत

ऊर्जा मंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि स्वच्छता अभियान को लेकर किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि मैं स्वयं, प्रधान और ब्लॉक विकास अधिकारी जल्द ही दोबारा इन गांवों का औचक निरीक्षण करने आएंगे। उस समय गांवों में धरातल पर सफाई नजर आनी चाहिए। मंत्री नागर ने कहा कि गांवों को स्वच्छ रखने की सीधी जिम्मेदारी ग्राम सचिव की होगी। जो ग्राम सचिव अपने क्षेत्र में बेहतरीन काम करेंगे और गांवों को आदर्श स्वच्छ गांव बनाएंगे, उन्हें सार्वजनिक रूप से पुरस्कृत किया जाएगा। इसके विपरीत, जिन गांवों में गंदगी और अव्यवस्था पाई गई, वहां के जिम्मेदार सचिव के खिलाफ तुरंत सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

दौरे के दौरान मंत्री नागर ने विभिन्न गांवों में चौपाल लगाकर जनसुनवाई की। ग्रामीणों ने बिजली, पानी, सड़क और मौसमी बीमारियों से जुड़ी अपनी समस्याएं मंत्री के सामने रखीं। मंत्री नागर ने मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि ग्रामीण रास्तों को सुधारा जाए और आमजन की समस्याओं का समय सीमा के भीतर समाधान कर उन्हें राहत पहुंचाई जाए।

इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रधान जयवीर सिंह अमृतकुआं, उप प्रधान ओम नागर अडूसा, क्रय विक्रय सहकारी समिति के अध्यक्ष ओम मेहता, बीडीओ सहित विभिन्न विभागों के आला अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

शेरूद्दीन स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-1 का भव्य समापन, खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

स्मार्ट हलचल

टोंक/अलीगढ़। कस्बा अलीगढ़ में आयोजित शेरूद्दीन स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-1 का तीन दिवसीय आयोजन रविवार रात्रि को उत्साह और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में अलीगढ़ ग्रीन ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अलीगढ़ ब्लैक को 4 रन से पराजित कर खिताब अपने नाम किया।

समापन समारोह की अध्यक्षता अलीगढ़ ग्राम पंचायत प्रशासक सबिया बी के पति एवं समाजसेवी जफर मियां ने की। कार्यक्रम में फैयाजुद्दीन शेख (लाडले मास्टर), उमर मियां, मासूफ अली, काशिफ खान तथा जयराम मीणा सहित कई गणमान्य नागरिकों ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।फाइनल मुकाबले के बाद खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में जीशान अली को बेस्ट बॉलर, सोहेल सैफी को बेस्ट बल्लेबाज तथा सिराजुद्दीन शेख को बेस्ट फील्डर का पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता संचालक अबरार शेख ने कहा कि ऐसे खेल आयोजनों से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है तथा उनमें अनुशासन और खेल भावना का विकास होता है।उन्होंने कहा कि खेल गतिविधियां युवाओं को नशे और मोबाइल की लत से दूर रखकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। समापन समारोह के बाद भामाशाह काशिफ खान द्वारा सभी खिलाड़ियों, अतिथियों एवं क्रिकेट प्रेमियों के लिए रात्रि भोज का आयोजन किया गया।आयोजन के सफल संचालन एवं खिलाड़ियों के उत्साहपूर्ण प्रदर्शन की उपस्थित लोगों ने सराहना की।

खरवा में जनरल स्टोर में सेंधमारी करने वाला आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार, 100% माल बरामद

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिला ब्यावर के सदर थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए ग्राम खरवा में एक किराना दुकान में हुई चोरी का महज 24 घंटे के भीतर पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी किया गया शत-प्रतिशत (100%) सामान बरामद करने में सफलता हासिल की है।

ब्यावर पुलिस अधीक्षक रतनसिंह ने बताया कि प्रार्थी प्रेम पुत्र जीवण रेगर (निवासी खरवा) ने ब्यावर सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, 5 जून 2026 की रात को आरोपी सुमेर पुत्र जगदीश रावणा राजपूत (निवासी खरवा) ने उसकी किराना दुकान की पिछली दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश किया। आरोपी दुकान से भारी मात्रा में खाद्य तेल, घी, काजू, किशमिश, दालें, मसाले, नमकीन और साबुन के टब आदि सामान चोरी कर ले गया था। पुलिस ने इस संबंध में प्रकरण संख्या 197/2026 के तहत धारा 305 (क) व 331 (4) बी.एन.एस. में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया, सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी आसूचना जुटाई। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी ने चोरी का सारा माल अपने घर पर ही छुपा रखा है। पुलिस ने त्वरित दबिश देकर आरोपी सुमेर को राउंडअप किया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया, जिसके बाद पुलिस ने 7 जून 2026 को उसे गिरफ्तार कर लिया।

कोटा मंडल का ऐतिहासिक कीर्तिमान: एक ही दिन में 50 क्रैक मालगाड़ियों का रिकॉर्ड संचालन, यात्री ट्रेनों की समयबद्धता और आम जनजीवन को सीधा लाभ

औसत गति 41.18 किमी प्रति घंटा; परिचालन और टीआरओ विभागों के समन्वित प्रयासों से यात्री सेवा और मालभाड़ा गतिशीलता दोनों को लाभ

स्मार्ट हलचल | कोटा

पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल ने मालगाड़ी संचालन के क्षेत्र में नया इतिहास रच दिया है। मंडल ने दिनांक 07.06.2026 को एक ही दिन में 50 क्रैक मालगाड़ियों के सफल संचालन का अब तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड बनाया है। इससे पूर्व मंडल का सर्वोच्च रिकॉर्ड एक दिन में 45 क्रैक मालगाड़ियों के संचालन का था। यात्रियों के दृष्टिकोण से इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि जब मालगाड़ियाँ तेज गति से और बिना मार्ग में ठहराव के अपने गंतव्य तक पहुँचती हैं, तो रेल पथ पर यात्री ट्रेनों के लिए अधिक खाली पाथ उपलब्ध होता है। इससे यात्री गाड़ियों के समय पालन में सुधार होता है, मार्ग में अनावश्यक ठहराव कम होते हैं और यात्री अपने गंतव्य तक तय समय पर पहुँचते हैं। बेहतर परिचालन से रेल यात्रा अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनती है, जिसका लाभ प्रतिदिन लाखों यात्रियों को मिलता है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि इस दिन संचालित 50 क्रैक मालगाड़ियों की औसत गति 41.18 किमी प्रति घंटा रही, जो प्रभावी योजना, सतत निगरानी तथा परिचालन एवं टीआरओ विभागों के समन्वित प्रयासों का प्रत्यक्ष परिणाम है। उन्होंने बताया कि क्रैक मालगाड़ियाँ वे विशेष मालगाड़ियाँ होती हैं, जिनके मार्ग की लॉबियों पर बीच रास्ते में क्रू (चालक दल) नहीं बदला जाता, जिससे ये गाड़ियाँ बिना किसी रुकावट के अपने गंतव्य तक तेज़ी से पहुँचती हैं। उन्होंने कहा कि इस सफलता के

पीछे कंट्रोल कक्ष में तैनात समस्त स्टाफ की दिन-रात की मेहनत और बेहतर तालमेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

आम जनता के दृष्टिकोण से यह उपलब्धि और भी अधिक महत्वपूर्ण है। तेज मालगाड़ी संचालन से बिजलीघरों तक कोयला, बाजारों तक खाद्यान्न, खेतों तक उर्वरक, निर्माण स्थलों तक सीमेंट तथा दैनिक उपयोग की अन्य आवश्यक वस्तुएं समय पर पहुँचती हैं। इससे आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होती है, बाजार में वस्तुओं की उपलब्धता बनी रहती है और कीमतों पर नियंत्रण रखने में सहायता मिलती है। किसान, व्यापारी, उद्योग जगत और आम उपभोक्ता – सभी इसका प्रत्यक्ष लाभ उठाते हैं।

सेक्शनवार 50 क्रैक मालगाड़ियों का विवरण इस प्रकार है – गंगापुर सिटी-रतलाम-गंगापुर सिटी सेक्शन में 11 मालगाड़ियाँ, चंदेरिया-गंगापुर सिटी-चंदेरिया सेक्शन में 10 मालगाड़ियाँ, सवाई माधोपुर-गुना सेक्शन में 02 मालगाड़ियाँ, बयाना-कोटा-बयाना सेक्शन में 06 मालगाड़ियाँ, कोटा-सागर-कोटा सेक्शन में 21 मालगाड़ियाँ।

क्रैक संचालन व्यवस्था के तहत मार्ग की लॉबियों पर क्रू बदलने की प्रक्रिया समाप्त हो जाती है, जिससे मालगाड़ियाँ बिना ठहराव के अपने गंतव्य तक पहुँचती हैं। इस व्यवस्था से क्रू, रोलिंग स्टॉक और लोकोमोटिव संसाधनों का कई गुना अधिक उपयोग संभव हो पाता है। परिणामस्वरूप माल ढुलाई की रफ्तार तेज होती है, यात्री ट्रेनों के लिए रेल पथ पर अधिक जगह बनती है, और रेलवे की समग्र परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है।

छात्रा की मौत के मामले में आरोपी की गिरफ्तारी की मांग, सौंपा ज्ञापन

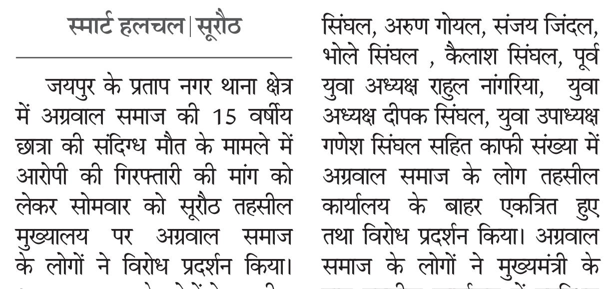

स्मार्ट हलचल | सूरौठ

जयपुर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र में अग्रवाल समाज की 15 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध मौत के मामले में आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सोमवार को सूरौठ तहसील मुख्यालय पर अग्रवाल समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। अग्रवाल समाज के लोगों ने तहसील कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगों को लेकर तहसील कर्मचारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। सोमवार को अग्रवाल समाज सूरौठ के नगर अध्यक्ष घनश्याम गोयल, पूर्व अध्यक्ष घनश्याम मंगल, महामंत्री देवानंद गुप्ता, उपाध्यक्ष सेवाराम गोयल, मंत्री पुरुषोत्तम गोयल, जिला उपाध्यक्ष जयप्रकाश गोयल, समाजसेवी राजेश सिंघल, अरुण गोयल, संजय जिंदल, भोले सिंघल , कैलाश सिंघल, पूर्व युवा अध्यक्ष राहुल नांगरिया, युवा अध्यक्ष दीपक सिंघल, युवा उपाध्यक्ष गणेश सिंघल सहित काफी संख्या में अग्रवाल समाज के लोग तहसील कार्यालय के बाहर एकत्रित हुए तथा विरोध प्रदर्शन किया। अग्रवाल समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री के नाम तहसील कार्यालय में उपस्थित कार्मिक को प्रमुख मांगों को लेकर ज्ञापन दिया। ज्ञापन में नामजद आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर उसके सभी संभावित संपर्कों की जांच करने, छात्रा का मेडिकल बोर्ड गठित कर पुनः पोस्टमार्टम करवाने व पूरे प्रकरण की जांच एडिशनल एसपी रैंक के अधिकारी की निगरानी में करवाने की मांग की गई।

नगर पालिका बनने के तीन वर्ष बाद भी मेड़ता रोड विकास से वंचित

गंदे नाले, टूटी सड़कें और जल निकासी की बदहाल व्यवस्था से जनता बेहाल

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड (नागौर)। ग्राम पंचायत से क्रमोन्नत होकर नगर पालिका बने लगभग तीन वर्ष बीत जाने के बावजूद मेड़ता रोड कस्बे में विकास कार्यों की स्थिति बेहद निराशाजनक बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नगर पालिका बनने के बाद जिस तेज विकास की उम्मीद थी, वह आज तक धरातल पर नजर नहीं आ रही है। कस्बे की स्थिति को देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि विकास के नाम पर मेड़ता रोड अब भी पिछड़ेपन की तस्वीर पेश कर रहा है। कस्बे के विभिन्न वार्डों में बुनियादी सुविधाओं का भारी अभाव है। न तो नियमित रूप से साफ-सफाई व्यवस्था सुचारू है और न ही जल निकासी की कोई प्रभावी प्रणाली दिखाई देती है। बारिश के मौसम में हालात और भी बदतर हो जाते हैं, जब सड़कों पर गंदा पानी भर जाता है और कई मोहल्ले जलमग्न हो जाते हैं।

सड़क किनारे अधूरी नाली, गंदा पानी जमा

कीचड़ से लथपथ गली, आवागमन हुआ मुश्किल

नाल पर टूटी पड़ी पट्टियां

जलभराव से बनी तालाब जैसी स्थिति

सड़क पर कीचड़ और जलभराव, लोग परेशान

मुख्य मार्गों पर गंदगी और जर्जर नाले

कस्बे के मुख्य बस स्टैंड, मेड़ता सिटी मार्ग, नागौर सड़क मार्ग सहित कई महत्वपूर्ण स्थानों पर नाले टूटे पड़े हैं। इन नालों से लगातार गंदा पानी बहकर सड़कों पर फैलता रहता है, जिससे न केवल दुर्गंध का माहौल बनता है बल्कि संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ जाता है। कई जगहों पर नाले खुले पड़े हुए हैं, जो राहगीरों के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय या कम रोशनी में इन खुले नालों में गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं, लेकिन नगर पालिका प्रशासन इस ओर गंभीरता नहीं दिखा रहा है।

बाइपुरा क्षेत्र की हालत सबसे खराब

कस्बे के बाइपुरा क्षेत्र की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक बताई जा रही है। यहां न तो गंदे पानी की उचित निकासी व्यवस्था है और न ही सड़कें ठीक हालत में हैं। जगह-जगह गड्ढों और कीचड़ के कारण आमजन को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि हल्की बारिश में ही सड़कें तालाब का रूप ले लेती हैं, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को काफी दिक्कत होती है। कई बार शिकायतों के बावजूद स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है।

विकास के दावे और जमीनी हकीकत में अंतर

नगर पालिका बनने के बाद कस्बे में विकास कार्यों की रफ्तार बढ़ने की उम्मीद थी, लेकिन जमीनी स्थिति इसके विपरीत दिखाई दे रही है। लोगों का कहना है कि विकास कार्य केवल कागजों तक सीमित हैं, जबकि वास्तविकता में कई वार्ड आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। स्थानीय नागरिकों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि नगर पालिका प्रशासन द्वारा केवल आश्वासन दिए जा रहे हैं, लेकिन स्थायी सुधार के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे।

जनता में बढ़ता आक्रोश

कस्बे के लोगों में प्रशासन के प्रति लगातार आक्रोश बढ़ता जा रहा है। नागरिकों का कहना है कि वे वर्षों से समस्याओं से जूझ रहे हैं, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। कई लोगों ने इसे 'सोतेला व्यवहार' बताते हुए कहा कि मेड़ता रोड के साथ विकास के नाम पर भेदभाव किया जा रहा है। स्थानीय निवासियों ने सवाल उठाया है कि आखिर नगर पालिका बनने के बाद भी जब हालात नहीं बदले, तो इसका लाभ जनता को क्या मिला?

जनता की प्रशासन से मांग

लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से स्पष्ट मांग की है किः सभी प्रमुख मार्गों के टूटे नालों की तुरंत मरम्मत की जाए, खुले पड़े नालों को ढककर सुरक्षा सुनिश्चित किया जाए, बाइपुरा सहित सभी क्षेत्रों में सड़क निर्माण और सुधार कार्य किए जाएं, नियमित सफाई व्यवस्था लागू की जाए, जल निकासी की स्थायी योजना बनाई जाए, स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो जनआंदोलन की स्थिति भी बन सकती है।

क्या चाहती है जनता

मेड़ता रोड कस्बा आज विकास के दावों और वास्तविकता के बीच फंसा नजर आ रहा है। नगर पालिका बनने के तीन साल बाद भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। जनता अब सिर्फ आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई और वास्तविक विकास चाहती है।

चारागाह भूमि पर बना वैकल्पिक रास्ता-जेसीबी से बंद-5 हजार लोगों का आवागमन प्रभावित

स्मार्ट हलचल

टोंक/पीपलू। जिले के पीपलू उपखंड क्षेत्र के चौगाई से सौंधीफल होते हुए बोरखंडीकला को स्टेट हाईवे से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण वैकल्पिक मार्ग को कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा जेसीबी मशीन से डोल लगाकर बंद किए जाने का मामला सामने आया है। रास्ता बंद होने से क्षेत्र के करीब 5 हजार से अधिक लोगों का दैनिक आवागमन प्रभावित हो गया है, जिससे ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है।

ग्रामीण मुकेश चौधरी, हनुमान जाट, मदन, केदार, कालूराम एवं हनुमान ने बताया कि सौंधीफल गांव से पहले नाले पर बनी रपट गत वर्ष पहली ही बारिश में क्षतिग्रस्त हो गई थी।इसके बाद ग्राम पंचायत चौगाई द्वारा मरम्मत नहीं कराए जाने से ग्रामीणों ने चारागाह भूमि से होकर वैकल्पिक मार्ग तैयार कर लिया था, जिससे आसपास के कई गांवों के लोग आवागमन कर रहे थे। ग्रामीणों के अनुसार शनिवार शाम करीब पांच बजे कुछ लोगों ने जेसीबी मशीन की सहायता से नाले से पहले डोल लगाकर रास्ते को पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया। अचानक मार्ग बंद होने से हजारों लोगों को बीच रास्ते से लौटना पड़ा और उन्हें लंबा चक्कर लगाकर अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ा।

रास्ता बंद होने से बढ़ी दूरी-बढ़ा खर्च

समाचार पत्र वितरक कृष्ण कुमार जांगिड़ ने बताया कि रविवार सुबह वह प्रतिदिन की तरह समाचार पत्र

वितरण के लिए इसी मार्ग से निकले थे, लेकिन रास्ता बंद मिलने पर उन्हें लगभग चार किलोमीटर वापस चौगाई लौटना पड़ा।इसके बाद करीब दस किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय कर सौंधीफल पहुंचना पड़ा।इससे समय की बर्बादी के साथ ईंधन खर्च भी बढ़ गया।

सरकारी भूमि पर अवरोध का आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि जिस भूमि पर आवागमन हो रहा था वह सरकारी चारागाह भूमि है तथा संबंधित नाला राजस्व अभिलेखों में गैर मुमकिन श्रेणी में दर्ज है। ऐसे में सार्वजनिक आवागमन में बाधा उत्पन्न करना नियमों के विपरीत है और इससे आमजन के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि रास्ता बंद करने वाले लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए तथा बंद किए गए मार्ग को तत्काल प्रभाव से पुनः खुलवाया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो हजारों लोगों को रोजाना अनावश्यक परेशानी और अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ेगी।

फतेहगढ़ में हुई दिन-दहाड़े चोरी का कुछ दिनों में पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिला पुलिस अधीक्षक रतनसिंह के निर्देशानुसार अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत ब्यावर सदर थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने ग्राम फतेहगढ़ (फतेहपुर) प्रथम में हुई दिन-दहाड़े चोरी की सनसनीखेज वारदात का खुलासा करते हुए मुख्य अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से करीब 5 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए हैं। इस वारदात में अभियुक्त का साथ देने वाले एक विधि से संघर्षरत बालक (नाबालिग) को भी पुलिस ने निरूद्ध किया है।

सूने मकान का ताला तोड़कर उड़ाए थे जेवरात

ब्यावर सदर थानाधिकारी (पु. नि.) गजराज ने बताया कि प्रार्थी श्रवणसिंह रावत निवासी फतेहपुर प्रथम (सुहावा) ने थाने पर मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट के अनुसार, बीती 8 मई 2026 को जब उनका परिवार किसी काम से बाहर गया हुआ था, तब अज्ञात चोरों ने सूने मकान का ताला तोड़कर बक्से में रखे सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चुरा ली थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उच्चेनिया और पुलिस उप अधीक्षक राजेश कसाणा के सुपरविजन में एक विशेष टीम का गठन कर चोरों की तलाश शुरू की।

सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र से मिला सुराग

वारदात के खुलासे के लिए गठित पुलिस टीम ने गांव और आस-पास के रास्तों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। इसके साथ ही प्रार्थी के घर आने-जाने वाले संदिग्धों की सूची बनाकर उनकी कॉल डिटेल निकाली गई। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली कि गांव के ही करणसिंह उर्फ सेतू/सेठू पुत्र सोहनसिंह रावत के पास चोरी के जेवरात देखे गए हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 6 जून 2026 को संदिग्ध करणसिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पहले तो वह मुकरता रहा, लेकिन पुलिस की कड़ाई के आगे उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

पड़ोसी ही निकला चोर, नाबालिग दोस्त से करवाई रेकी

पूछताछ में सामने आया कि अभियुक्त करणसिंह प्रार्थी का पड़ोसी होने के कारण परिवार की हर गतिविधि पर नजर रखता था। वारदात के दिन जैसे ही परिवार बाहर गया, उसने अपने एक नाबालिग मित्र को घर के बाहर निगरानी (रेकी) के लिए खड़ा कर दिया और खुद ताला तोड़कर भीतर घुस गया।

स्कूल मार्ग पर जलभराव और नाले पर अतिक्रमण का आरोप-ग्रामीणों ने एसडीएम, तहसीलदार व ग्राम विकास अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

महादेव मंदिर से राजकीय प्राथमिक विद्यालय बरड़ा तक बन रहे नाले को पुराने मार्ग से निकालने की मांग

स्मार्ट हलचल

टोंक/अलीगढ़। अलीगढ़ तहसील क्षेत्र की बरड़ा ढाणी के ग्रामीणों ने नव-निर्मित नाले के संबंध में उपखंड अधिकारी उनियारा, तहसीलदार अलीगढ़ एवं ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अलीगढ़ को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि महादेव मंदिर से राजकीय प्राथमिक विद्यालय बरड़ा तक नाले का निर्माण कार्य प्रस्तावित है। ग्रामीणों का आरोप है कि सार्वजनिक नाले के पुराने मार्ग को अवरुद्ध कर वहां चबूतरे बना दिए गए हैं, जिससे पानी की निकासी प्रभावित हो रही है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है

कि रामअवतार सैनी पुत्र भैरूलाल सैनी तथा पप्पूलाल सैनी पुत्र स्वर्गीय अम्बालाल सैनी द्वारा नाले के मार्ग को अवरुद्ध किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार उक्त स्थान पर बनाए गए चबूतरों के कारण वर्षाजल की निकासी बाधित हो रही है।

ग्रामीणों ने प्रशासन को अवगत कराया कि वर्तमान में नाला खसरा संख्या 220 से प्रस्तावित किया जा रहा है और उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने मांग की है कि कथित अतिक्रमण हटाकर सार्वजनिक नाले को उसी पुराने मार्ग से निकाला जाए, जहां से पूर्व में पानी की निकासी होती थी।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि इसी मार्ग से राजकीय विद्यालय एवं आंगनबाड़ी के बच्चे प्रतिदिन आवागमन करते हैं। बरसात के दिनों में इस रास्ते पर करीब ढाई से तीन फीट तक पानी भर जाने से विद्यार्थियों और ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है तथा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क निर्माण से पूर्व नाले का निर्माण करवाने, जल निकासी मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। ज्ञापन पर कई महिला-पुरूष ग्रामीणों के हस्ताक्षर दर्ज हैं।

वंशिका की मौत का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग

स्मार्ट हलचल

महुवा। जयपुर के प्रताप नगर में वंशिका गर्ग की मौत के बाद अग्रवाल समाज के लोगों में काफी रोष व्यक्त किया जा रहा है। इसी मामले को लेकर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन(पूर्वी राजस्थान) के प्रदेशाध्यक्ष अशोक गर्ग के नेतृत्व में सोमवार को जिला अग्रवाल सम्मेलन संस्थान दौसा के युवा जिला अध्यक्ष रोहित गर्ग के नेतृत्व में अग्रवाल समाज के लोगों द्वारा पृथ्वीराज मीणा तहसीलदार कार्यवाहक उपखंड अधिकारी महुवा को जयपुर प्रताप नगर निवासी वंशिका गर्ग

की मौत के आरोपी की गिरफ्तार करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया, ज्ञापन में रोहित गर्ग ने उपखंड अधिकारी महुवा से निवेदन किया कि जयपुर के प्रताप नगर स्थित ए आई एस रेजिडेंसी के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जाएं और सबूत इकट्ठा करके सही तरीके से जांच कर आरोपी को जल्द से जल्द सलाखों के पीछे डाला जाएं।

रोहित गर्ग ने बताया कि उपखंड अधिकारी महुवा को ज्ञापन सौंपते वक्त अध्यक्ष महुवा अग्रवाल समाज के सतीश चंद गुप्ता, महामंत्री तारा चंद गोयल, वरिष्ठ उपाअध्यक्ष योगेंद्र गोयल,जिला कोषाध्यक्ष राजेन्द्रप्रसाद गोयनका, महुवा युवा अध्यक्ष विजय सिंघल , महिला जिलामहामंत्री श्रीमती रेनू गोयल, महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती आशा गुप्ता,एडवोकेट सुमन अग्रवाल, अखिलेश चौधरी,गणपत मंगल पवन गोयल अग्रवाल समाज के सैकड़ो लोग मौजूद थें।

सीवरेज विभाग की लापरवाही से बैकुंठ धाम में जल संकट

8 दिन से प्यासे लोग-दूर दराज से ला रहे पीने का पानी

स्मार्ट हलचल

टोंक। नगर परिषद क्षेत्र टोंक के बैकुंठ धाम इलाके में सीवरेज कार्य के दौरान मुख्य पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से पिछले 8 दिनों से जलापूर्ति ठप पड़ी है। इससे क्षेत्र के सैकड़ों परिवारों को भीषण गर्मी में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी कमलेश सैनी उर्फ ठाकर सोलंकी ने आरोप लगाया कि सीवरेज लाइन के चैंबर गाड़ने के दौरान ठेकेदार द्वारा की गई खुदाई से बीसलपुर की मुख्य पाइपलाइन टूट गई।इसके बाद से क्षेत्र में पानी की सप्लाई बंद है और लोग करीब 1.5 किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर हैं। क्षेत्र की महिलाओं ने बताया कि घरों में पीने तक का पानी नहीं बचा है।शिकायतों के बावजूद जलदाय विभाग, नगर परिषद और सीवरेज विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं, जबकि समस्या का समाधान अब तक नहीं हुआ है। क्षेत्रवासियों ने जिला कलेक्टर डॉ. टीना डाबी से तत्काल हस्तक्षेप कर 24 घंटे में जलापूर्ति बहाल कराने, दोषी ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करने तथा हुए नुकसान की भरपाई कराने की मांग की है।साथ ही चेतावनी दी है कि समस्या का समाधान नहीं होने पर कलेक्ट्रेट पर मटका फोड़ आंदोलन भी किया जा सकता हैं।

पंचायती राज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन राजस्थान ने ज्ञापन सौंपा

स्मार्ट हलचल

मनोहरपुर। पंचायती राज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन राज-स्थान के द्वारा आज संपूर्ण प्रदेश भर में स्वाभिमान बचाओ आंदोलन के तहत आज पूरे राजस्थान में सभी जिला कलेक्टर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारीयो को ज्ञापन सौंपा गया।

प्रदेश महामंत्री एवं जयपुर जिला अध्यक्ष पुरूषोतम टेलर ने बताया कि यदि सरकार हमारे द्वारा हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा प्रदेश अध्यक्ष अशोक निठारवाल ने बताया कि इस आंदोलन में 6 जुलाई को मुख्यमंत्री का घेराव किया जाएगा फिर भी मांगे नहीं माने जाने पर पूरी प्रदेश कार्यकारणी और सभी जिला अध्यक्ष और महामंत्रियों द्वारा जल समाधि ली जाएगी जिस की संपूर्ण जिम्मेदारी सरकार की होगी इस अवसर पर राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ के महामंत्री सुनिल मोदी ने बताया कि यदि सरकार इन कर्मचारियों की मांगे नहीं मानती है तो राजस्थान के सभी 122 विभागों के एक लाख कर्मचारी आंदोलन में उतरेंगे इस अवसर पर पंचायती राज मंत्री महोदय श्री मदन जी दिलावर को ज्ञापन प्रस्तुत कर सहानुभूति पूर्ण मांगों पर विचार करने का निवेदन किया गया।

इस अवसर पर मुकेश मुद्गल विजय सिंह राजावत यतीन्द्र जी छाजू राम सैन गजेंद्र सिंह तनु वर्मा राम किशोर मीणा निर्भय धाकड़ ओम चौधरी राम सिंह सहित सैंकड़ों कर्मचारी उपस्थिति रहे। यह जानकारी पंचायती राज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन राजस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष ओम चौधरी ने दी है।

ब्यावर में फूटा हिंदू समाज का आक्रोश: 'लव जिहाद' के खिलाफ राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, एसआईटी गठन की माँग

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। प्रदेश में बढ़ती कथित 'लव जिहाद' की घटनाओं को लेकर हिंदू समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। इसके विरोध में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रजापति एवं हिंदू हेल्पलाइन के प्रांत अध्यक्ष मुकेश सोनी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने ब्यावर जिला कलेक्टर के माध्यम से महामहिम राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान संगठनों ने प्रदेश में विशेष जांच दल (स्ढ्ढ’) के गठन और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

राजसमंद और अजमेर की घटनाओं पर जताई चिंता

सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि राजसमंद जिले के भीम क्षेत्र और अजमेर जिले के पीसांगन क्षेत्र सहित प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में हाल ही में सामने आई घटनाओं से समाज में गहरा रोष है। संगठन के पदाधिकारियों ने मांग की है कि इन सभी मामलों की निष्पक्ष व त्वरित जांच की जाए और प्रदेश में बालिकाओं व महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक कठोर कानून लाया जाए। 'यदि प्रदेश सरकार द्वारा शीघ्र ही दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई और प्रभावी कानून नहीं बनाया गया, तो हिंदू समाज सड़कों पर उतरकर व्यापक जनआंदोलन करने के लिए मजबूर होगा। '

— ओम प्रजापति, प्रदेश अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद

'कैंसर की तरह फैल रहा है यह खतरा '

हिंदू हेल्पलाइन के प्रांत अध्यक्ष मुकेश सोनी ने तीखे शब्दों में कहा कि यह समस्या देश में एक गंभीर खतरे की तरह फैल रही है, जिस पर तुरंत लगाम लगाना बेहद जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रदेश की माताओं, बहनों और बेटियों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। वहीं, महिला परिषद की सावित्री देवड़ा, ममता गुप्ता और राजरानी गुप्ता के नेतृत्व में महिलाओं ने भी बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर पुरजोर विरोध प्रदर्शन किया।

भारी संख्या में जुटे कार्यकर्ता, जमकर हुई नारेबाजी

ज्ञापन सौंपने के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर सैकड़ों की संख्या में समाजजन और कार्यकर्ता इकट्ठा हुए। प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी की।

इस अवसर पर राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रांत उपाध्यक्ष हेमंत कुमावत, नगर महामंत्री मनीष व्यास, संगठन मंत्री बंटी कुमावत, कोषाध्यक्ष सुनील परलेचा, व्यापार संघ के संजय घिया, गौरव अग्रवाल सहित एडवोकेट सुनील दुबे, तुषार शर्मा, हेमंत चंदेल और विभिन्न हिंदू संगठनों के पदाधिकारी व सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अधिकतर हिन्दुओं के पास अपने ही धर्मग्रंथ को पढ़ने की फुरसत नहीं है। वेद, उपनिषद पढ़ना तो दूर, वे गीता तक को नहीं पढ़ते जबकि गीता को 1 घंटे में पढ़ा जा सकता है। हालांकि कई जगह वे भागवत पुराण सुनने या रामायण का अखंड पाठ करने के लिए समय निकाल लेते हैं या घर में सत्यनारायण की कथा करवा लेते हैं। लेकिन आपको यह जानकारी होना चाहिए कि पुराण, रामायण और महाभारत हिन्दुओं के धर्मग्रंथ नहीं हैं, धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं।

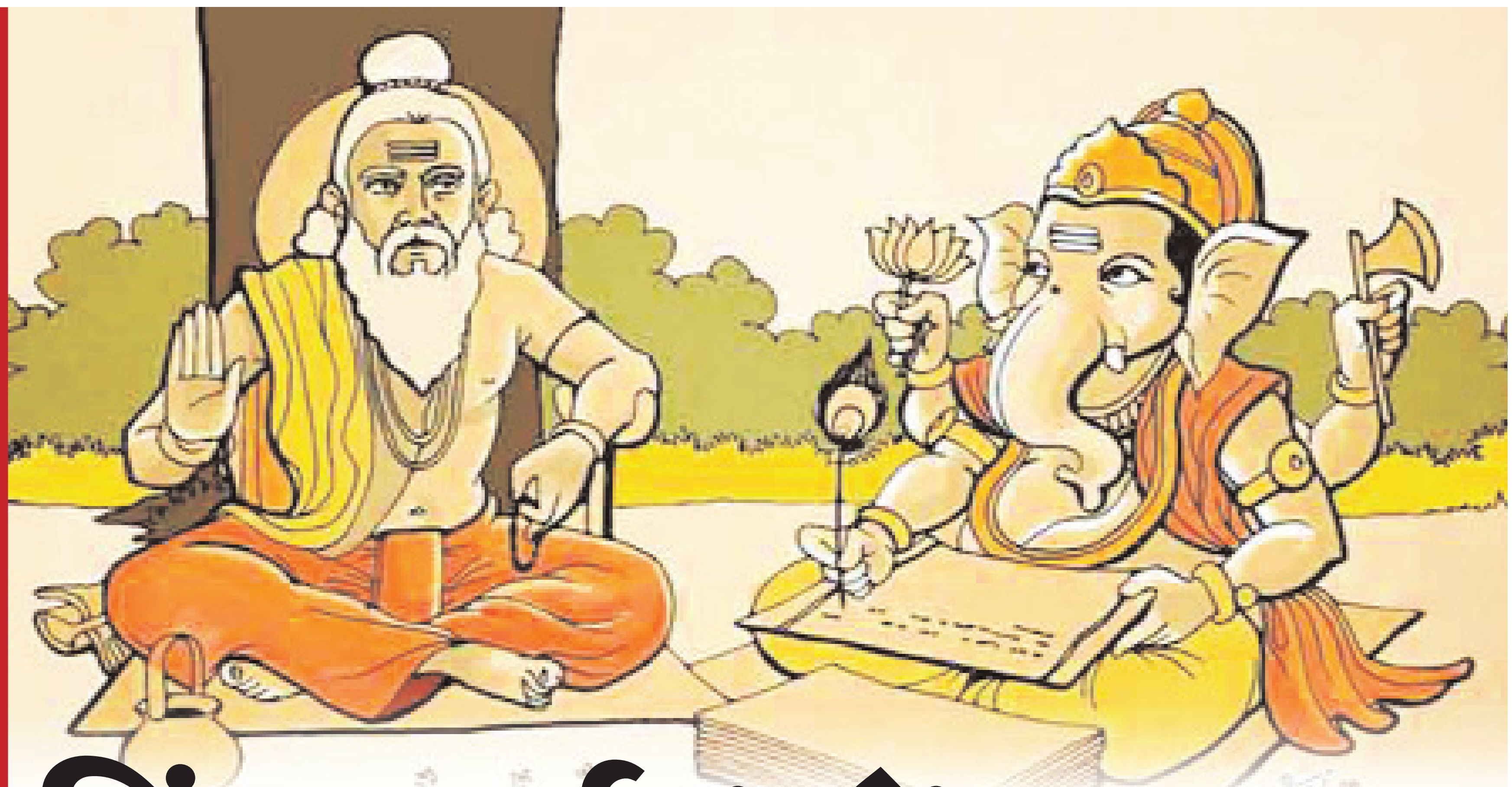

हिंदू धर्मग्रंथों का सार

जानिए किस ग्रंथ में क्या है?

शास्त्रों को 2 भागों में बांटा गया है– श्रुति और स्मृति। श्रुति के अंतर्गत धर्मग्रंथ वेद आते हैं और स्मृति के अंतर्गत इतिहास और वेदों की व्याख?या की पुस्तकें पुराण, महाभारत, रामायण, स्मृतियां आदि आते हैं। हिन्दुओं के धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं। वेदों का सार उपनिषद है और उपनिषदों का सार गीता है। आओ जानते हैं कि उक्त ग्रंथों में क्या है।

वेदों में क्या है?

वेदों में ब्रह्म (ईश्वर), देवता, ब्रह्मांड, ज्योतिष, गणित, रसायन, औषधि, प्रकृति, खगोल, भूगोल, धार्मिक नियम, इतिहास, संस्कार, रीति–रिवाज आदि लगभग सभी विषयों से संबंधित ज्ञान भरा पड़ा है। वेद 4 हैं– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। ऋग्वेद का आयुर्वेद, यजुर्वेद का धनुर्वेद, सामवेद का गंधर्व वेद और अथर्ववेद का स्थापत्य वेद ये क्रमशः चारों वेदों के उपवेद बतलाए गए हैं।

ऋग्वेद : ऋक अर्थात स्थिति और ज्ञान। इसमें भौगोलिक स्थिति और देवताओं के आवाहन के मंत्रों के साथ बहुत कुछ है। ऋग्वेद की ऋचाओं में देवताओं की प्रार्थना, स्तुतियां और देवलोक में उनकी स्थिति का वर्णन है। इसमें जल चिकित्सा, वायु चिकित्सा, सौर चिकित्सा, मानस चिकित्सा और हवन द्वारा चिकित्सा आदि की भी जानकारी मिलती है।

यजुर्वेद : यजु अर्थात गतिशील आकाश एवं कर्म। यजुर्वेद में यज्ञ की विधियां और यज्ञों में प्रयोग किए जाने वाले मंत्र हैं। यज्ञ के अलावा तत्वज्ञान का वर्णन है। तत्वज्ञान अर्थात रहस्यमयी ज्ञान। ब्रम्हांड, आत्मा, ईश्वर और पदार्थ का ज्ञान। इस वेद की 2 शाखाएं हैं– शुक्ल और कृष्ण।

सामवेद : साम का अर्थ रूपांतरण और संगीत। सौम्यता और उपासना। इस वेद में ऋग्वेद की ऋचाओं का संगीतमय रूप है। इसमें सविता, अग्नि और इन्द्र देवताओं के बारे में जिक्र मिलता है। इसी से शास्त्रीय संगीत और नृत्य का जिक्र भी मिलता है। इस वेद को संगीत शास्त्र का मूल माना जाता है। इसमें संगीत के विज्ञान और मनोविज्ञान का वर्णन भी मिलता है।

अथर्ववेद : थर्व का अर्थ है कंपन और अथर्व का अर्थ अकंपन। इस वेद में रहस्यमयी विद्याओं, जड़ी–बूटियों, चमत्कार और आयुर्वेद आदि का जिक्र है। इसमें भारतीय परंपरा और ज्योतिष का ज्ञान भी मिलता है।

उपनिषद क्या है?

उपनिषद वेदों का सार है। सार अर्थात निचोड़ या संक्षिप्त। उपनिषद भारतीय आध्यात्मिक चिंतन के मूल आधार हैं, भारतीय आध्यात्मिक दर्शन के स्रोत हैं। ईश्वर है या नहीं, आत्मा है या नहीं, ब्रह्मांड कैसा है आदि सभी गंभीर, तत्वज्ञान, योग, ध्यान, समाधि, मोक्ष आदि की बातें उपनिषद में मिलेंगी। उपनिषदों को प्रत्येक हिन्दू को पढ़ना चाहिए। इन्हें पढ़ने से ईश्वर, आत्मा, मोक्ष और जगत के बारे में सच्चा ज्ञान मिलता है।

वेदों के अंतिम भाग को 'वेदांत' कहते हैं। वेदांतों को ही उपनिषद कहते हैं। उपनिषद में तत्वज्ञान की चर्चा है। उपनिषदों की संख्या वैसे तो 108 है, परंतु मुख्य 12 माने गए हैं, जैसे– 1.ईश, 2.केन, 3.कठ, 4.प्रश्न, 5.मुण्डक, 6.माण्डूक्य, 7.तैत्तिरीय, 8.ऐतरेय, 9.छांदोग्य, 10.बृहदारण्यक, 11.कौषीतकि और 12.श्वेताश्वतर।

षड्दर्शन क्या है?

गीता में क्या है?

महाभारत के 18 अध्यायों में से 1 भीष्म पर्व का हिस्सा है गीता। गीता में भी कुल 18 अध्याय हैं। 10 अध्यायों की कुल श्लोक संख्या 700 है। वेदों के ज्ञान को नए तरीके से किसी ने व्यवस्थित किया है तो वे हैं भगवान श्रीकृष्ण। अतः वेदों का पॉकेट संस्करण है गीता, जो हिन्दुओं का सर्वमान्य एकमात्र ग्रंथ है। किसी के पास इतना समय ही नहीं है कि वह वेद या उपनिषद पढ़े। उनके लिए गीता ही सबसे उत्तम धर्मग्रंथ है। गीता को बार–बार पढ़ने के बाद ही वह समझ में आने लगती है। गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम–नियम और धर्म–कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार–बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म–कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी–देवता, उपासना, प्रार्थना, यम–नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्व जन्म, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है।

श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान–भक्ति–कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है। गीता को अर्जुन के अलावा और संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। उपरोक्त ग्रंथों के ज्ञान का सार बिंदुवार :

ईश्वर के बारे में :

ब्रह्म (परमात्मा) एक ही है जिसे कुछ लोग सगुण (साकार) तो कुछ लोग निर्गुण (निराकार) कहते हैं। हालांकि वह अजन्मा, अप्रकट है। उसका न कोई पिता है और न ही कोई उसका पुत्र है। वह किसी के भाग्य या कर्म को नियंत्रित नहीं करता। न कि वह किसी को दंड या पुरस्कार देता है। उसका न तो कोई प्रारंभ है और न ही अंत। वह अनादि और अनंत है। उसकी उपस्थिति से ही संपूर्ण ब्रह्मांड चलायमान है। सभी कुछ उसी से उत्पन्न होकर अंत में उसी में लीन हो जाता है। ब्रह्मलीन।

ब्रह्मांड के बारे में :

यह दिखाई देने वाला जगत फैलता जा रहा है और दूसरी ओर से यह सिकुड़ता भी जा रहा है। लाखों सूर्य, तारे और धरतीयों का जन्म है, तो उसका अंत भी। जो जन्मा है वह मरेगा भी। सभी कुछ उसी ब्रह्म से जन्मे और उसी में लीन हो जाने वाले हैं। यह ब्रह्मांड परिवर्तनशील है। इस जगत का संचालन उसी की शक्ति से स्वतः ही होता है, जैसे कि सूर्य के आकर्षण से ही धरती अपनी धूरी पर टिकी हुई होकर चलायमान है। उसी तरह लाखों सूर्य और तारे एक महासूर्य के आकर्षण से टिके होकर संचालित हो रहे हैं। उसी तरह लाखों महासूर्य उस एक ब्रह्मा की शक्ति से ही जगत में विद्यमान हैं।

आत्मा के बारे में :

आत्मा का स्वरूप ब्रह्म (परमात्मा) के समान है। जैसे सूर्य और दीपक में जो फर्क है उसी तरह आत्मा और परमात्मा में फर्क है। आत्मा के शरीर में होने के कारण ही यह शरीर संचालित हो रहा है। ठीक उसी तरह जिस तरह कि संपूर्ण धरती, सूर्य, ग्रह–नक्षत्र और तारे भी उस एक परमपिता की उपस्थिति से ही संचालित हो रहे हैं। आत्मा का न जन्म होता है और न ही उसकी कोई मृत्यु होती है। आत्मा एक शरीर को छोड़कर दूसरा शरीर धारण करती है। यह आत्मा अजर और अमर है। आत्मा को प्रकृति द्वारा 3 शरीर मिलते हैं– एक, वह जो स्थूल आंखों से दिखाई देता है। दूसरा, वह जिसे सूक्ष्म शरीर कहते हैं, जो कि ध्यानी को ही दिखाई देता है और तीसरा, वह शरीर जिसके कारण शरीर कहते हैं, उसे देखना अत्यंत ही मुश्किल है। बस उसे वही आत्मा महसूस करती है, जो कि उसमें रहती है। आप और हम दोनों ही आत्मा हैं। हमारे नाम और शरीर अलग–अलग हैं लेकिन भीतरी स्वरूप एक ही हैं।

स्वर्ग और नरक के बारे में :

वेदों के अनुसार पुराणों के स्वर्ग या नर्क को गतियों से समझा जा सकता है। स्वर्ग और नर्क 2 गतियां हैं। आत्मा जब देह छोड़ती है तो मूलतः 2 तरह की गतियां होती हैं– 1.अगति और 2.गति।

1.अगति : अगति में व्यक्ति को मोक्ष नहीं मिलता है उसे फिर से जन्म लेना पड़ता है।

2.गति : गति में जीव को किसी लोक में जाना पड़ता है या वह अपने कर्मों से मोक्ष प्राप्त कर लेता है।

*अगति के 4 प्रकार हैं– 1.क्षिणोदर्क, 2.भूमोदर्क, 3.अगति और 4.दुर्गति।

*क्षिणोदर्क : क्षिणोदर्क अगति में जीव पुनः पुण्यात्मा के रूप में मृत्युलोक में आता है और संतों–सा जीवन जीता है।

*भूमोदर्क : भूमोदर्क में वह सुखी और ऐश्वर्यशाली जीवन पाता है।

*अगति : अगति में नीच या पशु जीवन में चला जाता है।

*दुर्गति : दुर्गति में वह कीट–कीड़ों जैसा जीवन पाता है।

* गति के भी 4 प्रकार– गति के अंतर्गत 4 लोक दिए गए हैं– 1.ब्रह्मलोक, 2.देवलोक, 3.पितृलोक और 4.नर्कलोक। जीव अपने कर्मों के अनुसार उक्त लोकों में जाता है।

तीन मार्गों से यात्रा :

जब भी कोई मनुष्य मरता है या आत्मा शरीर को त्यागकर यात्रा प्रारंभ करती है तो इस दौरान उसे 3 प्रकार के मार्ग मिलते हैं। ऐसा कहते हैं कि उस आत्मा को किस मार्ग पर चलाया जाएगा और यह केवल उसके कर्मों पर निर्भर करता है। ये 3 मार्ग हैं– अर्चि मार्ग, धूम मार्ग और उत्पत्ति–विनाश मार्ग। अर्चि मार्ग ब्रह्मलोक और देवलोक की यात्रा के लिए होता है, वहीं धूममार्ग पितृलोक की यात्रा पर ले जाता है और उत्पत्ति–विनाश मार्ग नर्क की यात्रा के लिए है।

धर्म और मोक्ष के बारे में :

धर्मग्रंथों के अनुसार धर्म का अर्थ है यम और नियम को समझकर उसका पालन करना। नियम ही धर्म है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष में से मोक्ष ही अंतिम लक्ष्य होता है। हिन्दू धर्म के अनुसार व्यक्ति को मोक्ष के बारे में विचार करना चाहिए। मोक्ष क्या है? स्थितप्रज्ञ आत्मा को मोक्ष मिलता है। मोक्ष का भावार्थ यह कि आत्मा शरीर नहीं है, इस सत्य को पूर्णतः अनुभव करके ही अशरीरी होकर स्वयं के अस्तित्व को पुख?ता करना ही मोक्ष की प्रथम सीढ़ी है।

व्रत और त्योहार के बारे में :

हिन्दू धर्म के सभी व्रत, त्योहार या तीर्थ सिर्फ मोक्ष की प्राप्त हेतु ही

निर्मित हुए हैं। मोक्ष तब मिलेगा जब व्यक्ति स्वस्थ रहकर प्रसन्नचित्त और खुशहाल जीवन जीएगा। व्रत से शरीर और मन स्वस्थ होता है। त्योहार से मन प्रसन्न होता है और तीर्थ से मन और मस्तिष्क में वैराग्य और अध्यात्म का जन्म होता है।

मौसम और ग्रह–नक्षत्रों की गतियों को ध्यान में रखकर बनाए गए व्रत और त्योहारों का महत्व अधिक है। व्रतों में चतुर्थी, एकादशी, प्रदोष, अमावस्या, पूर्णिमा, श्रावण मास और कार्तिक मास के दिन व्रत रखना श्रेष्ठ है। यदि उपरोक्त सभी नहीं रख सकते हैं तो श्रावण के पूरे महीने व्रत रखें। त्योहारों में मकर संक्रांति, महाशिवरात्रि, नवरात्रि, रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी और हनुमान जन्मोत्सव ही मनाएं। पर्व में श्राद्ध और कुंभ का पर्व जरूर मनाएं।

व्रत करने से काया निरोगी और जीवन में शांति मिलती है। सूर्य की 12 और 12 चन्द्र की संक्रांतियां होती हैं। सूर्य संक्रांतियों में उत्सव का अधिक महत्व है, तो चन्द्र संक्रांति में व्रतों का अधिक महत्व है। चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, अगहन, पौष, माघ और फाल्गुन। इसमें से श्रावण मास को व्रतों में सबसे श्रेष्ठ मास माना गया है। इसके अलावा प्रत्येक माह की एकादशी, चतुर्दशी, चतुर्थी, पूर्णिमा, अमावस्या और अधिकमास में व्रतों का अलग–अलग महत्व है। सौरमास और चान्द्रमास के बीच बढ़े हुए दिनों को मलमास या अधिकमास कहते हैं। साधुजन चातुर्मास अर्थात 4 महीने श्रावण, भाद्रपद, आश्विन और कार्तिक माह में व्रत रखते हैं।

उत्सव, पर्व और त्योहार सभी का अलग–अलग अर्थ और महत्व है। प्रत्येक ऋतु में एक उत्सव है। उन त्योहार, पर्व या उत्सव को मनाने का महत्व अधिक है जिनकी उत्पत्ति स्थानीय परंपरा या संस्कृति से न होकर जिनका उल्लेख वैदिक धर्मग्रंथ, धर्मसूत्र, स्मृति, पुराण और आचार संहिता में मिलता है। चन्द्र और सूर्य की संक्रांतियों के अनुसार कुछ त्योहार मनाए जाते हैं। 12 सूर्य संक्रांतियां होती हैं जिसमें 4 प्रमुख हैं– मकर, मेष, तुला और कर्क। इन 4 में मकर संक्रांति महत्वपूर्ण है। सूर्योपासना के लिए प्रसिद्ध पर्व है छठ, संक्रांति और कुंभ। पर्वों में रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी, गुरुपूर्णिमा, वसंत पंचमी, हनुमान जयंती, नवरात्रि, शिवरात्रि, होली, ओणम, दीपावली, गणेश चतुर्थी और रक्षाबंधन प्रमुख हैं। हालांकि सभी में मकर संक्रांति और कुंभ को सर्वोच्च माना गया है।

तीर्थ के बारे में :

तीर्थ और तीर्थयात्रा का बहुत पुण्य है। जो मनमाने तीर्थ और तीर्थ पर जाने के समय हैं, उनकी यात्रा का सनातन धर्म से कोई संबंध नहीं। तीर्थों में 4 धाम ज्योतिर्लिंग, अमरनाथ, शक्तिपीठ और सप्तपुरी की यात्रा का ही महत्व है। अयोध्या, मथुरा, काशी और प्रयाग को तीर्थों का प्रमुख केंद्र माना जाता है जबकि कैलाश मानसरोवर को सर्वोच्च तीर्थ माना गया है। बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वरम् और जगन्नाथपुरी ये 4 धाम हैं। सोमनाथ, द्वारका, महाकालेश्वर, श्रीशैल, भीमाशंकर, ?कारेश्वर, केदारनाथ, विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, रामेश्वरम्, घृष्णेश्वर और बैद्यनाथ ये द्वादश ज्योतिर्लिंग हैं। काशी, मथुरा, अयोध्या, द्वारका, माया, कांची और अवंति उज्जैन ये सप्तपुरियां हैं। उपरोक्त कहे गए तीर्थ की यात्रा ही धर्मसम्मत है।

संस्कार के बारे में :

संस्कारों के प्रमुख प्रकार 16 बताए गए हैं जिनका पालन करना हर हिन्दू का कर्तव्य है। इन संस्कारों के नाम है– गर्भाधान, पुंसवन, सीमंतोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुंडन, कर्णवेधन, विद्यारंभ, उपनयन, वेदारंभ, केशांत, सम्वर्तन, विवाह और अंत्येष्टि। प्रत्येक हिन्दू को उक्त संस्कार को अच्छे से नियमपूर्वक करना चाहिए। यह मनुष्य के सभ्य और हिन्दू होने की निशानी है। उक्त संस्कारों को वैदिक नियमों के द्वारा ही संपन्न किया जाना चाहिए।

पाठ करने के बारे में :

वेदों, उपनिषद या गीता का पाठ करना या सुनना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य है। उपनिषद और गीता का स्वयं अध्ययन करना और उसकी बातों की किसी जिज्ञासु के समक्ष चर्चा करना पुण्य का कार्य है। लेकिन किसी बहसकर्ता या भ्रमित व्यक्ति के समक्ष वेद वचनों को कहना निषेध माना जाता है। प्रतिदिन धर्मग्रंथों का कुछ पाठ करने से देव शक्तियों की कृपा मिलती है। हिन्दू धर्म में वेद, उपनिषद और गीता के पाठ करने की परंपरा प्राचीनकाल से रही है। वक्त बदला तो लोगों ने पुराणों में उल्लेखित कथा की परंपरा शुरू कर दी, जबकि वेदपाठ और गीता पाठ का अधिक महत्व है।

धर्म, कर्म और सेवा के बारे में :

धर्म–कर्म और सेवा का अर्थ यह कि हम ऐसा कार्य करें जिससे हमारे मन और मस्तिष्क को शांति मिले और हम मोक्ष का द्वार खोल पाएं। साथ ही जिससे हमारे सामाजिक और राष्ट्रीय हित भी साधे जाते हों अर्थात ऐसा कार्य जिससे परिवार, समाज, राष्ट्र और स्वयं को लाभ मिले। धर्म–कर्म को कई तरीके से साधा जा सकता है, जैसे– 1.व्रत, 2.सेवा, 3.दान, 4.यज्ञ, 5.प्रायश्चित, दीक्षा देना और मंदिर जाना आदि।

सेवा का मतलब यह कि सर्वप्रथम माता–पिता, फिर बहन–बेटी, फिर भाई–बंधु की किसी भी प्रकार से सहायता करना ही धार्मिक सेवा है। इसके बाद अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा–सहायता करना पुण्य का कार्य माना गया है। इसके अलावा सभी प्राणियों, पक्षियों, गाय, कुत्ते, कौओं, चींटी आति को अन्न–जल देना– ये सभी यज्ञ कर्म में आते हैं।

दान के बारे में :

दान से इन्द्रिय भोगों के प्रति आसक्ति छूटती है। मन की ग्रथियां खुलती हैं जिससे मृत्युकाल में लाभ मिलता है। देव आराधना का दान सबसे सरल और उत्तम उपाय है। वेदों में 3 प्रकार के दाता कहे गए हैं– 1.उक्तम, 2.मध्यम और 3.निकृ?टतम। धर्म की उन्नति, रूप, सत्य विद्या के लिए जो देता है, वह उत्तम। कीर्ति या स्वार्थ के लिए जो देता है वह मध्यम और जो वेश ?यागमनादि, भांड, भाटे, पंडे को देता वह निकृष्ट माना गया है। पुराणों में अन्नदान, वस्त्रदान, विद्यादान, अभयदान और धनदान को ही श्रेष्ठ माना गया है, यही पुण ?य भी है।

यज्ञ के बारे में :

यज्ञ के प्रमुख 5 प्रकार हैं– ब्रह्मयज्ञ, देवयज्ञ, पितृयज्ञ, वैश्वदेव यज्ञ और अतिथि यज्ञ। यज्ञ पालन से ऋषि ऋण, देव ऋण, पितृ ऋण, धर्म ऋण, प्रकृति ऋण और मातृ ऋण समाप्त होता है। नित्य संध्यावंदन, स्वाध्याय तथा वेदपाठ करने से ब्रह्म यज्ञ संपन्न होता है। देवयज्ञ सत्संग तथा अग्निहोत्र कर्म से संपन्न होता है। अग्नि जलाकर होम करना अग्निहोत्र यज्ञ है। पितृयज्ञ को श्राद्धकर्म भी कहा गया है। यह यज्ञ पिंडदान, तर्पण और संतानोत्पत्ति से संपन्न होता है। वैश्वदेव यज्ञ को भूत यज्ञ भी कहते हैं। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्तव्य समझना व उन्हें अन्न–जल देना ही भूत यज्ञ कहलाता है। अतिथि यज्ञ से अर्थ मेहमानों की सेवा करना। अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा–सहायता करना ही अतिथि यज्ञ है। इसके अलावा अग्निहोत्र, अश्वमेध, वाजपेय, सोमयज्ञ, राजसूय और अग्निचयन का वर्णण यजुर्वेद में मिलता है।

मंदिर जाने के बारे में :

प्रति गुरुवार को मंदिर जाना चाहिए। घर में मंदिर नहीं होना चाहिए। मंदिर में जाकर परिक्रमा करना चाहिए। भारत में मंदिरों, तीर्थों और यज्ञादि की परिक्रमा का प्रचलन प्राचीनकाल से ही रहा है। मंदिर की 7 बार (सप्तपदी) परिक्रमा करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह 7 परिक्रमा विवाह के समय अग्नि के समक्ष भी की जाती है। इसी प्रदक्षिणा को इस्लाम धर्म ने परंपरा से अपनाया जिसे तवाफ कहते हैं। प्रदक्षिणा षोडशोपचार पूजा का एक अंग है। प्रदक्षिणा की प्रथा अतिप्राचीन है। हिन्दू सहित जैन, बौद्ध और सिख धर्म में भी परिक्रमा का महत्व है। इस्लाम में मक्का स्थित काबा की 7 परिक्रमा का प्रचलन है। पूजा–पाठ, तीर्थ परिक्रमा, यज्ञादि पवित्र कर्म के दौरान बिना सिले सफेद या पीत वस्त्र पहनने की परंपरा भी प्राचीनकाल से हिन्दुओं में प्रचलित रही है। मंदिर जाने या संध्यावंदन के पूर्व आचमन या शुद्धि करना जरूरी है। इसे इस्लाम में वुजू कहा जाता है।

संध्यावंदन के बारे में :

संध्यावंदन को संध्योपासना भी कहते हैं। मंदिर में जाकर संधिकाल में ही संध्यावंदन की जाती है। वैसे संधि 8 वक्त की मानी गई है। उसमें भी 5 महत्वपूर्ण हैं। 5 में से भी सूर्य उदय और अस्त अर्थात 2 वक्त की संधि महत्वपूर्ण है। इस समय मंदिर या एकांत में शौच, आचमन, प्राणायामादि कर गायत्री छंद से निराकार ईश्वर की प्रार्थना की जाती है। संध्योपासना के 4 प्रकार हैं– 1.प्रार्थना, 2.ध्यान, 3.कीर्तन और 4.पूजा–आरती। व्यक्ति की जिसमें जैसी श्रद्धा है, वह वैसा करता है।

धर्म की सेवा के बारे में :

धर्म की प्रशंसा करना और धर्म के बारे में सही जानकारी को लोगों तक पहुंचाना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य होता है। धर्म प्रचार में वेद, उपनिषद और गीता के ज्ञान का प्रचार करना ही उत्तम माना गया है। धर्म प्रचारकों के कुछ प्रकार हैं। हिन्दू धर्म को पढ़ना और समझना जरूरी है। हिन्दू धर्म को समझकर ही उसका प्रचार और प्रसार करना जरूरी है। धर्म का सही ज्ञान होगा, तभी उस ज्ञान को दूसरे को बताना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को धर्म प्रचारक होना जरूरी है। इसके लिए भगवा वस्त्र धारण करने या संन्यासी होने की जरूरत नहीं। स्वयं के धर्म की तारीफ करना और बुराइयों को नहीं सुनना ही धर्म की सच्ची सेवा है।

मंत्र के बारे में :

वेदों में बहुत सारे मंत्रों का उल्लेख मिलता है, लेकिन जपने के लिए सिर्फ प्रणव और गायत्री मंत्र ही कहा गया है, बाकी मंत्र किसी विशेष अनुष्ठान और धार्मिक कार्यों के लिए है। वेदों में गायत्री नाम से छंद है जिसमें हजारों मंत्र हैं किंतु प्रथम मंत्र को ही गायत्री मंत्र माना जाता है। उक्त मंत्र के अलावा किसी अन्य मंत्र का जाप करते रहने से समय और ऊर्जा की बर्बादी है। गायत्री मंत्र की महिमा सर्वविदित है। दूसरा मंत्र है महामृत्युंजय मंत्र, लेकिन उक्त मंत्र के जप और नियम कठिन है इसे किसी जानकार से पूछकर ही जपना चाहिए।

प्रायश्चित के बारे में :

प्राचीनकाल से ही हिन्दुओं में मंदिर में जाकर अपने पापों के लिए प्रायश्चित करने की परंपरा रही है। प्रायश्चित करने के महत्व को स्मृति और पुराणों में विस्तार से समझाया गया है। गुरु और शिष्य परंपरा में गुरु अपने शिष्य को प्रायश्चित करने के अलग–अलग तरीके बताते हैं। दुष्कर्म के लिए प्रायश्चित करना तपस्या का एक दूसरा रूप है। यह मंदिर में देवता के समक्ष 108 बार साष्टांग प्रणाम, मंदिर के इर्द–गिर्द चलते हुए साष्टांग प्रणाम और कावडी अर्थात वह तपस्या, जो भगवान मुरुगन को अर्पित की जाती है, जैसे कृत्यों के माध्यम से की जाती है। मूलतः अपने पापों की क्षमा भगवान शिव और वरुणदेव से मांगी जाती है, क्योंकि क्षमा का अधिकार उनको ही है। जैन धर्म में 'क्षमा पर्व' प्रायश्चित करने का दिन है।

दीक्षा देने के बारे में :

दीक्षा देने का प्रचलन वैदिक ऋषियों ने प्रारंभ किया था। प्राचीनकाल में पहले शिष्य और ब्राह्मण बनाने के लिए दीक्षा दी जाती थी। माता–पिता अपने बच्चों को जब शिक्षा के लिए भेजते थे तब भी दीक्षा दी जाती थी। हिन्दू धर्मानुसार दिशाहीन जीवन को दिशा देना ही दीक्षा है। दीक्षा एक शपथ, एक अनुबंध और एक संकल्प है। दीक्षा के बाद व्यक्ति द्विज बन जाता है। द्विज का अर्थ दूसरा जन्म। दूसरा व्यक्तित्व। सिख धर्म में इसे अमृत संचार कहते हैं। यह दीक्षा देने की परंपरा जैन धर्म में भी प्राचीनकाल से रही है, हालांकि दूसरे धर्मों में दीक्षा को अपने धर्म में धर्मांतरित करने के लिए प्रयुक्त किया जाने लगा। हिन्दू धर्म से इस परंपरा को ईसाई धर्म ने अपनाया जिसे वे बपस्तिमा कहते हैं। अलग–अलग धर्मों में दीक्षा देने के भिन्न–भिन्न तरीके हैं। यहूदी धर्म में खतना करके दीक्षा दी जाती है।

वेद से निकला षड्दर्शन

वेद और उपनिषद को पढ़कर ही 6 ऋषियों ने अपना दर्शन गढ़ा है। इसे भारत का षड्दर्शन कहते हैं। दरअसल, यह वेद के ज्ञान का श्रेणीकरण है। ये 6 दर्शन हैं– 1.न्याय, 2.वैशेषिक, 3.सांख्य, 4.योग, 5.मीमांसा और 6.वेदांत। वेदों के अनुसार सत्य या ईश्वर को किसी एक माध्यम से नहीं जाना जा सकता। इसीलिए वेदों ने कई मार्गों या माध्यमों की चर्चा की है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com